संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -328 रविवार ,01 अक्टूबर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

एनआईए को तीन आतंकियों की तलाश

मिला है आतंकी हमले का जिम्मा; सभी पर तीन-तीन लाख का इनाम

» दिल्ली के विभिन्न इलाकों के रहने वाले हैं ये तीनों आतंकी

» आईएस के स्लीपर सेल मॉड्यूल हैं सदस्य ये तीनों आतंकी

नई दिल्ली,30 सितम्बर 2023(ए) ।

देश में आतंकी हमले की साजिश रच रहे आईएस (इस्लामिक स्टेट,) के तीन आतंकियों की तलाश में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए,) देश भर में छापेमारी कर रही है। तीनों दिल्ली के विभिन्न इलाकों के रहने वाले हैं। आईएस ने इन्हें आतंकी हमले की जिम्मेदारी सौंपी है। तीनों इस्लामिक स्टेट के स्लीपर मॉड्यूल का हिस्सा हैं।

इन्हें पकड़ने के लिए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल, पुणे एसटीएफ समेत कई राज्यों की पुलिस को भी सहयोग करने को कहा गया है। एनआईए का कहना है कि इस मॉड्यूल के सदस्य पुणे में भी हो सकते हैं।

पुलिस हिरासत से भागा मोहम्मद शाहनवाज

दिल्ली का रहने वाला मोहम्मद शाहनवाज आलम उर्फ शैफी उज्जमा उर्फ अब्दुला को इंजीनियर के नाम से जाना जाता है, वह बीते जुलाई में पुणे पुलिस की हिरासत से भाग गया था। उसको लेकर कहा जा रहा है कि वह दिल्ली-एनसीआर में फर्जी पहचान पत्र बनवा कर रह रहा है। वह दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जामिया नगर का रहने वाला है। दिल्ली के अन्य दो युवक अब्दुल्लाह फयाज शेख उर्फ डायपरवाला जिसकी पुणे में डायपर की दुकान थी, और रिजवान अब्दुल हाली अली मध्य जिला के दरियागंज के रहने वाले हैं। एनआईए ने तीनों पर तीन-तीन लाख का इनाम रखा है।

भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने की योजना

एनआईए का कहना है कि देश में इस्लामिक राज्य स्थापित करने के लक्ष्य के साथ आतंक और हिंसा फैलाने के लिए आईएस ने भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने की योजना बनाई है। सूत्रों की मानें तो इनमें एक के बारे में एनआईए को सुराग मिल गया है।

अब्दुल्ला के ओमान भागने की संभावना

खुफिया सूत्रों की मानें तो अब्दुल्ला

कोशिश कर रही है और समझा जाता है कि उसने मामले से संबंधित विवरण नोडल एजेंसी और विदेश मंत्रालय के साथ साझा किया है।

डायपर की दुकान में बनते थे विस्फोटक उपकरण

खुफिया सूत्र ने बताया कि पुणे के विस्फोटक उपकरणों के निर्माण और परीक्षण के लिए एक कार्यशाला के रूप में किया जाता था। पिछले माह दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और अन्य एजेंसियों ने इस मॉड्यूल के सदस्यों को पकड़ने के लिए देश भर में 100 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की थी।

शाहनवाज के सहयोगियों को पकड़ा

शाहनवाज को पुणे पुलिस ने 17-18 जुलाई की मध्यरात्रि को उस समय पकड़ा था, जब वह पुणे के कोथरुड इलाके में एक मोटरसाइकिल चोरी करने की पुलिस हिरासत से भाग गया था। बाद में पुलिस ने पुणे में शाहनवाज के दो सहयोगियों इमरान और यूनुस को पकड़ लिया था।

कई संवेदनशील वस्तुएं मिलीं

माना जा रहा है ये लोग आईएस प्रेरित मॉड्यूल का हिस्सा हैं। पुणे पुलिस की सूचना पर एनआईए ने जब तलाशी ली थी तब कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई थी, जो युवाओं को प्रतिबंधित आईएस से जोड़ रही थी और देश में शांति को बाधित करने की साजिश रची जा रही थी।

सभी को टेलीग्राम के माध्यम से इस्लामिक स्टेट के इस्लामिक खिलाफत के मिशन में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया था। इन तीनों फरार आतंकियों का दिल्ली कनेक्शन सामने आने के बाद दिल्ली में इनकी तलाश जारी है। दिल्ली में पुणे पुलिस व एनआइए की टीम मध्य दिल्ली इलाके में रेड कर चुकी है।

हाईकोर्ट के पांच पन्ने के आदेश के खिलाफ 60 पन्ने का सिनॉप्सिस

सुप्रीम कोर्ट ने ठोका 25 हजार का जुर्माना

नई दिल्ली,30 सितम्बर 2023(ए)।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पाँच पन्ने के आदेश के खिलाफ 60 पन्ने से अधिक का एक बड़ा सिनॉप्सिस दाखिल करने की अनुमति मांगने वाले एक वादी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति पंकज मित्तल की पीठ ने याचिकाकर्ता को धर्मार्थ कार्य करने वाली किसी भी संस्था को दान के माध्यम से 25 हजार रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया।

याचिकाकर्ता ने अग्रिम जमानत खारिज करने के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ एक आवेदन दायर किया, जिसमें एक लंबी सिनॉप्सिस और तारीखों की सूची दाखिल करने की अनुमति मांगी गई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 60 पन्ने से अधिक का सिनॉप्सिस मामले के तथ्यों के लिए अनावश्यक था, जब हाई कोर्ट का आदेश केवल पाँच पन्ने का था।

अदालत ने आदेश दिया, इसलिए, हम आवेदन को अस्वीकार करते हैं और ऐसा करते समय, हम याचिकाकर्ता को धर्मार्थ कार्य करने वाली किसी भी संस्था को दान के माध्यम से 25 हजार रुपये का भुगतान करने का निर्देश देते हैं। सुनवाई की अगली तारीख से पहले एक रसीद पेश की जाए।

इससे पहले अगस्त में इसी पीठ ने इस बात पर जोर दिया था कि शीर्ष अदालत के समक्ष दायर याचिकाओं में बड़े सिनॉप्सिस से बचा जाना चाहिए। पीठ की यह टिप्पणी एक अन्य मामले में थी जिसमें हाई कोर्ट के छह पन्ने के एक विवादित आदेश के खिलाफ दायर विशेष अनुमति याचिका में 27 पृष्ठ थे और 60 से अधिक पन्नों का सिनॉप्सिस था।

अब कोचिंग संस्थान सार्वजनिक नहीं करेंगे असेसमेंट टेस्ट का रिजल्ट

» आत्महत्या की घटनाओं को रोकने की कवायद

» राजस्थान में जारी हुई नई गाइडलाइंस

जयपुर ,30 सितंबर 2023 (ए)। राज्य सरकार ने कोटा में लगातार हो रही कोचिंग स्टूडेंट्स की मौत के कारण और समाधान के लिए एक हाई पावर कमेटी का गठन किया था। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने कोचिंग स्टूडेंट्स में तनाव कम करने और उनका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर करने के लिए गाइडलाइंस-2023 जारी की हैं। सरकार की ओर से जारी गाइडलाइंस-2023 में कोचिंग स्टूडेंट्स में बढ़ते तनाव, मानसिक दबाव और आत्महत्याओं के पीछे के कारणों का भी ज़िक्र किया गया है।

ये है नई गाइडलाइंस

➡इस गाइडलाइंस के मुताबिक़ अब कोचिंग संस्थान असेसमेंट टेस्ट का रिजल्ट सार्वजनिक नहीं करेंगे।

➡असेसमेंट टेस्ट का लगातार विश्लेषण करते हुए कम नंबर वाले स्टूडेंट्स की विशेष काउंसलिंग करें।

➡कोचिंग संचालक, हॉस्टल या पीजी संचालक, कोचिंग संस्थान स्टूडेंट्स को 9वीं कक्षा से पहले कोचिंग में प्रवेश लेने को प्रोत्साहित नहीं करें।

➡वर्तमान में कोचिंग कर रहे स्टूडेंट्स कोचिंग छोड़ना चाहें तो उन्हें बाक़ी फीस लौटाएं।

➡स्टूडेंट्स को कोचिंग में एडमिशन से पहले स्क्रीनिंग टेस्ट से उनकी क्षमता का आंकलन करें।

➡ऑरिएंटेशन और काउंसलिंग के ज़रिए स्टूडेंट की अभिरुचि का आंकलन करने के बाद एडमिशन दें।

➡अभिभावकों की भी काउंसलिंग की जाए. कोचिंग में असेसमेंट टेस्ट के परिणाम के आधार पर बैच नहीं बनाएं। कोचिंग क्लास के दौरान फ़िज़िकल एनवायरमेंट का विशेष ध्यान रखा जाए।

➡ कोचिंग संस्थान अपने संचालकों, स्टाफ, फैकल्टी की गेटकीपर ट्रेनिंग ज़रूर कराएं।

➡तीन महीने में एक बार ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से पैरेंट-टीचर मीटिंग करें और उसका रिकॉर्ड रखा जाए। कोचिंग संस्थान सप्ताह में एक दिन का पूर्ण अवकाश रखें। अवकाश के अगले दिन टेस्ट नहीं लें।

➡लोकप्रिय त्योहारों पर लंबे अवकाश की व्यवस्था को कस्टमाइज किया जाए, जिससे स्टूडेंट्स अपने परिवार के साथ भावनात्मक रूप से मज़बूत बन सकें।

➡स्टूडेंट्स की 45 दिन, 90 दिन और 120 दिन पर तीन काउंसलिंग करें। इस दौरान यदि स्टूडेंट की परफॉर्मेंस में सुधार नहीं नज़र आता है तो पैरेंट को बुलाकर कैरियर ऑप्शन्स बताएं।

➡ कोचिंग संस्थान में टेली मानस के टोल फ्री नंबर डिस्प्ले करें और बैग, आईकार्ड, पैन, बुक पर भी यह नंबर लिखे जाएं।

➡स्टूडेंट्स के साथ भेदभाव नहीं करने और स्टूडेंट्स को एसे व्यक्तियों के बारे में बताएं जिन्होंने कोचिंग में असफलता के बावजूद अन्य क्षेत्रों में सफ़लता हासिल की हो।

➡ हॉस्टल और पीजी संचालकों को क्षमता से अधिक बच्चे नहीं रखें. पीजी छोड़ने पर बाक़ी शुल्क वापस किया जाए।

➡सीसीटीवी लगाए जाएं और उसका डेटा सुरक्षित रखा जाए।

➡गाइडलाइंस में कोचिंग स्टूडेंट्स को सहूलियत के लिए पुलिस-प्रशासन को भी निर्देशित किया गया है।

सरकार ने गठित की थी हाई पावर कमेटी

कोचिंग स्टूडेंट्स की मौत पर चिंता ज़ाहिर करते हुए 18 अगस्त को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोचिंग संचालकों के साथ बैठक की थी। बैठक के बाद स्टूडेंट्स के मौत के कारण को जानने और समाधान के लिए 24 अगस्त को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा के नेतृत्व में एक कमेटी गठित की गई।

कमेटी ने कोचिंग संचालकों, हॉस्टल और पीजी संचालकों, स्टूडेंट्स, अभिभावकों, शिक्षाविदों, मनोवैज्ञानिक सलाहकारों समेत पुलिस प्रशासन के अधिकारियों से चर्चा कर सुझाव लिए थे। 19 सितंबर को कमेटी ने अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी, जिसे स्वीकार कर नई गाइडलाइंस जारी की गई है।

चीन-पाकिस्तान की बढ़ेगी टेंशन

सेना में शामिल होंगे 156 प्रचंड लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली,30 सितंबर 2023(ए)।

भारतीय वायु सेना ने रक्षा मंत्रालय के समक्ष 156 स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर्स 'प्रचंड' की मांग रखी है। माना जा रहा है कि वायुसेना की इस मांग को जल्द ही स्वीकृति प्रदान की जा सकती है। इससे वायु सेना की शक्ति में जबरदस्त इजाफा होगा। यहां एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि यह सभी 156 हेलीकॉप्टर स्वदेशी होंगे। सभी 'प्रचंड' हेलीकॉप्टरों को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड बना रहा है। सेना के कॉम्बैट सर्च एंड रेस्क्यू, डिस्ट्रक्शन ऑफ एनेमी एयर डिफेंस, काउंटर इनसर्जेंसी ऑपरेशन व रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट को धराशाई करने में प्रचंड हेलीकॉप्टर खासे मददगार हैं।यह हेलीकॉप्टर हाई एल्टीट्यूड बंकर बस्टिंग ऑपरेशंस में भी काफी सहायक हैं। इस पर 700 किलोग्राम तक के हथियार फिट किए जा सकते हैं। इसकी अधिकतम गति 268 किमी प्रतिघंटा है और रेंज 550 किमी है। जानकारी के मुताबिक, 156 स्वदेशी लाइट कॉम्बैट 'प्रचंड' हेलीकॉप्टर में से 66 हेलीकॉप्टर वायुसेना को मिल सकते हैं, और 90 प्रचंड हेलीकॉप्टर भारतीय थल सेना को मिलेंगे।फिलहाल अभी वायु सेना व थल सेना दोनों के पास कुल मिलाकर केवल 15 हेलीकॉप्टर हैं। इनमें से 10 हेलीकॉप्टर वायुसेना के पास हैं और पांच हेलीकॉप्टर थल सेना के पास हैं। भारतीय सेनाओ ने अपने इन स्वदेशी हेलीकॉप्टरों को अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर चीन और पाकिस्तान बॉर्डर के निकट तैनात किया है।जानकारी के मुताबिक, अब नए हेलीकॉप्टर आएंगे, उन्हें भी चीन-पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात किया जाएगा। गौरतलब है कि भारतीय वायुसेना हेलीकॉप्टरों के साथ युद्धाभ्यास भी कर चुकी है। रक्षक विशेषज्ञों के मुताबिक, पाकिस्तान की सीमा के पास इसका पहला स्क्वॉड्रन तैनात है। यही कारण है कि अब भारतीय सेना के जवानों के लिए पाकिस्तान सीमा के आसपास निगरानी करना ज्यादा सुविधाजनक और सुरक्षित हो गया है।

रक्षा विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि इन हेलीकॉप्टर की मदद से आर्म्ड फोर्सेज को घुसपैठ की वारदातों पर लगाम लगाने में मदद मिली है। बेंगलुरु में एलसीएच का पहला स्क्वॉड्रन बनाया जा चुका है। इन हेलीकॉप्टरों को सात अलग-अलग यूनिटों के अंतर्गत सात अलग-अलग पहाड़ी इलाकों में तैनात किया जाएगा।हेलीकॉप्टर में दो लोग बैठ सकते हैं। पूरे साजो सामान के साथ इसका वजन 5,800 किलोग्राम है। लगातार 3 घंटे 10 मिनट की उड़ान भरने की क्षमता है। यह 16,400 फीट तक की ऊंचाई पर टेकऑफ कर सकता है। हेलीकॉप्टर की मारक क्षमता बढ़ने के लिए इसमें 20 मिमी की तोप भी हैं। इसके साथ ही इसमें चार हार्डप्वाइंट्स हैं। जिसके कारण हेलीकॉप्टरों में रॉकेट्स, मिसाइल और बम लगाए जा सकते हैं।

पाली में चार साल की बच्ची से बलात्कार मामले में भाजपा ने राहुल,प्रियंका व गहलोत से पूछा सवाल

नई दिल्ली,30 सितंबर 2023(ए)।

भाजपा ने राजस्थान के पाली में चार साल की बच्ची के साथ हुए बलात्कार का मसला उठाते हुए राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के रवैये पर सवाल उठाते हुए तीखा हमला बोला है।

भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने राजस्थान के पाली में चार साल की बच्ची के साथ हुई दरिंदगी की खबर को शेयर करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा, राजस्थान के पाली में चार साल की बच्ची के साथ स्कूल टीचर ने बलात्कार किया। बच्ची के प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था। वो कहती रही कि टीचर ने ग़लत कियाश्

पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

मालवीय ने राहुल,प्रियंका और गहलोत पर निशाना साधते हुए आगे कहा, राहुल गांधी चुप हैं। अशोक गहलोत अभी तक बच्ची के घर नहीं गये। प्रियंका वाड्रा को तो जैसे सांप ही सूंघ गया है। कांग्रेस के नेताओं और प्रवक्ताओं को राजस्थान में महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहा अपराध नहीं दिख रहा है। शर्मनाक।

इससे पहले मालवीय ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों द्वारा शासित राज्यों में ज्यादातर टॉप ऑफिसर्स के अपर कास्ट से होने से जुड़ी खबर को शेयर करते हुए राहुल गांधी पर कटाक्ष भी किया। दरअसल, लोक सभा में महिला आरक्षण से जुड़े बिल पर चर्चा के दौरान भाषण देते हुए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा था कि मोदी सरकार में केवल तीन यूनियन सेक्रेटरी ही ओबीसी समुदाय के हैं।

सीएम काफिले के लिए किया मासूम की जिंदगी से खिलवाड़

पटना,30 सितंबर 2023(ए)।

बिहार में एक बार फिर सुशासन पुलिस की संवेदनहीनता सामने आई है, जब मुख्यमंत्री के काफिले को निकालने के लिए उन्होंने एक मासूम बच्चे की ज़िंदगी दांव पर लगा दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के काफिले के कारण मौत से जंग लड़ रहे मासूम के एंबुलेंस को काफी देर तक रोककर रखा गया।मासूम के परिजन गुहार लगाते रहे कि बच्चा बेहोश है, सही समय पर इलाज नहीं मिला तो वह मर जाएगा, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उनकी एक न सुनी और एंबुलेंस को रोककर रखा। मासूम के परिजनों का कहना है कि फतुहा के एक निजी अस्पताल से उस बच्चे को लेकर पटना के अस्पताल में ले जा रहे थे, लेकिन पुलिस मुख्यमंत्री के काफिले को लेकर सभी गाड़ियो को रोक दी।

कर्नाटक सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी बढ़ाने का अध्यादेश जारी किया

बेंगलुरु,30 सितंबर 2023(ए)।

कर्नाटक सरकार ने कर्नाटक वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम में संशोधन लाने के लिए एक अध्यादेश जारी किया। संशोधन से ऑनलाइन मनी गेमिंग पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाएगा। राज्यपाल थावरचंद गहलोत की सहमति के बाद रेसकोर्स और कैसीनो पर भी अतिरिक्त टैक्स लगाया जाएगा।

वाणिज्यिक कर आयुक्त सी शिखा के अनुसार, अनुमान है कि अतिरिक्त टैक्स लागू होने के बाद राज्य को 1,500 करोड़ रुपये का राजस्व मिलेगा। राज्य सरकार का यह कदम केंद्र सरकार के 1 अक्टूबर से टैक्स बढ़ाने के फैसले के बाद आया है। कर्नाटक सरकार ने अधिनियम में संशोधन के लिए अध्यादेश जारी किया है क्योंकि राज्य विधानमंडल की बैठक नहीं हो रही है। महाराष्ट्र और हरियाणा के बाद कर्नाटक अध्यादेश जारी करने वाले प्रमुख राज्यों में से एक है। हालांकि, नया कानून मौजूदा कानूनों को प्रभावित नहीं करेगा और कैसीनो, जुआ, घुड़दौड़, लॉटरी और ऑनलाइन मनी गेमिंग में सट्टेबाजी को प्रतिबंधित या विनियमित नहीं करेगा। यह भी बताया गया है कि अतिरिक्त टैक्स लगाने से सट्टेबाजी को वैध नहीं बनाया जाएगा और सट्टेबाजी गतिविधियों के साथ आपराधिक गतिविधियों पर आपराधिक मुकदमा चलाया जाएगा। केंद्र सरकार ने राज्यों को 1 अक्टूबर से ऑनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत जीएसटी लागू करने के लिए विधानसभाओं में अध्यादेश पारित करने या 30 सितंबर तक अध्यादेश जारी करने का निर्देश दिया था।

राष्ट्रीय संग्रहालय खाली कराने को कांग्रेस नेता शशि थरूर ने बताया बर्बरता

नई दिल्ली ,30 सितंबर 2023 (ए)। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने शनिवार को राष्ट्रीय संग्रहालय को खाली करने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह बर्बरता है, शुद्ध और सरल है। एक्स पर एक पोस्ट में, थरूर ने लिखा, अत्यधिक वास्तुशिल्प महत्व की एक ऐतिहासिक इमारत को ध्वस्त कर दिया जाएगा और उसकी जगह कुकी-कटर सरकारी भवन बनाया जाएगा! और इस बीच कम से कम दो साल तक कोई राष्ट्रीय संग्रहालय नहीं होगा। यह बर्बरता है , शुद्ध व सरल।

उन्होंने अपने दावों के समर्थन में एक समाचार रिपोर्ट भी संलग्न की। कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने भी कहा कि एक और शानदार इमारत, जो पारंपरिकता के साथ आधुनिकता को जोड़ती है, इस साल के अंत तक गायब हो जाएगी। एक्स पर एक पोस्ट में, रमेश ने कहा, एक और राजसी

इमारत जो पारंपरिक के साथ आधुनिकता को जोड़ती है, इस साल के अंत तक गायब हो जाएगी। जी.बी. देवलालीकर द्वारा डिजाइन किया गया और दिसंबर 1960 में उद्घाटन किया गया राष्ट्रीय संग्रहालय को ध्वस्त किया जा रहा है। संयोग से, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य ब्लॉक को भी डिज़ाइन किया, जो उम्मीद है कि जीवित रहेगा।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र न केवल एक राजसी संरचना खोता है, बल्कि अपने हालिया इतिहास का एक टुकड़ा भी खो देता है जो प्रधान मंत्री के व्यवस्थित उन्मूलन अभियान का लक्ष्य है। इसमें दो से अधिक अमूल्य प्रदर्शनियां हैं और इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यह राष्ट्रीय खजाना स्थानांतरण से बच जाएगा। राज्यसभा सांसद ने कहा, राष्ट्रीय संग्रहालय का भी एक अद्भुत इतिहास है। इसके पहले निदेशक ग्रेस मॉर्ले, एक अमेरिकी संग्रहालय विज्ञानी थी जो पहली बार भारत आई थीं। वह 1966 तक निदेशक रहीं। दिल्ली में ही उन्होंने 1985 में आखिरी सांस ली। उन्होंने सभी का सम्मान अर्जित किया और उन्हें माताजी मॉर्ले कहा जाने लगा।

इस्कॉन ने बीजेपी सांसद को भेजा 100 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस

नई दिल्ली ,30 सितंबर 2023 (ए)। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी की इस्कॉन को लेकर की गई टिप्पणी ने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। इसको लेकर इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) ने मेनका गांधी को 100 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस थमाया है। मेनका ने इस्कॉन को लेकर कहा था कि वह कसाइयों को गौशालाओं से गाय बेचते हैं।

एक्स पर एक पोस्ट में कोलकाता से इस्कॉन उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने कहा, आज हमने इस्कॉन के खिलाफ पूरी तरह से निराधार आरोप लगाने के लिए श्रीमती मेनका गांधी को 100 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजा है। उन्होंने कहा, इस्कॉन के भक्तों, समर्थकों और शुभचिंतकों का विश्वव्यापी समुदाय इन अपमानजनक, निंदनीय और दुर्भावनापूर्ण आरोपों से बहुत दुखी है। हम इस्कॉन के खिलाफ भ्रामक प्रचार के खिलाफ न्याय की खोज में

कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद के खिलाफ कानूनी मानहानि नोटिस 27 सितंबर को उनके एक वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के कुछ दिनों बाद आया है।

दास ने 27 सितंबर को उसी दिन एक ट्वीट में कहा था, अगर वह अपने गलत बयानों के लिए माफी नहीं मांगती हैं तो हम उन पर मुकदमा करेंगे। वायरल वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है, इस्कॉन देश में सबसे बड़ा धोखेबाज है। यह गौशालाओं का रखरखाव करता है और विशाल भूमि सहित सरकार से लाभ प्राप्त करता है।

उन्होंने आंध्र प्रदेश में इस्कॉन की अनंतपुर गौशाला की अपनी यात्रा को भी याद किया, जहां उन्होंने दावा किया था कि उन्हें ऐसी कोई गाय नहीं मिली जो दूध न देती हो या बछड़े न देती हो। वीडियो में उन्होंने कहा, पूरी डेयरी में दूध न देने वाली गाय नहीं थी। वहां एक भी बछड़ा नहीं था। इसका मतलब है कि सभी बेच दिए गए।उन्होंने कहा था, इस्कॉन अपनी सारी गायें कसाइयों को बेच रहा है। वे जितना करते हैं उतना कोई नहीं करता, और वे सड़कों पर 'हरे राम हरे कृष्ण' गाते हैं। फिर वे कहते हैं कि उनका पूरा जीवन दूध पर निर्भर है। किसी ने भी इतने मवेशी कसाइयों को नहीं बेचे हैं, जितने उन्होंने बेचे हैं।

संपादकीय

पिटे नारों के सहारे!

ओबीसी ध्रुवीकरण की राजनीति का एक्सपायरी डेट गुजर चुका है। गुजरे दशकों में भाजपा ने जातीय प्रतिनिधित्व की राजनीति इतनी कुशलता से की है कि दलित या ओबीसी की बड़ी आइडेंटिटी के आधार पर विशाल ध्रुवीकरण की जमीन खिसक चुकी है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का माहौल गरमा रहा है। वहां सत्ता के बड़े दावेदार अब खुद को प्रचार में झोंक रहे हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर वैचारिक दिवालियापन का शिकार होने और अर्बन नक्सल्स के हाथ में खेलने का आरोप लगाया। अर्बन नक्सल की बात एक नैरेटिव है, जिसके जरिए गुजरे कुछ वर्षों से भाजपा अपने विपक्षियों को घेरती रही है। इसलिए इस आरोप को नजरअंदाज किया जा सकता है। लेकिन जहां तक वैचारिक दिवालियेपन की बात है, तो कांग्रेस सहित तमाम विपक्ष के संदर्भ में कई बार यह बात दमदार लगती है। मोदी सरकार के साढ़े नौ वर्ष के शासनकाल में अगर विपक्षी पार्टियां जनता को यह नहीं बता पाई हैं कि उनका सकारात्मक एजेंडा क्या है, तो ऐसे आरोप अगर उन पर चिपकते दिखें, तो उसके लिए कौन जिम्मेदार है? कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने विदेश दौरों के समय कुछ नया चिंतन सामने रखते सुने जाते हैं। मगर देश लौटने के बाद वे बातें उनके शब्दकोश से कहीं गायब हो जाती हैं। यहां उन्हें लगता है कि जज्बाती मुद्दे ही चुनाव जीतने का फॉर्मूला हैं। इस सिलसिले में उनमें जातीय जनगणना और ओबीसी की उपेक्षा को लेकर प्रेम और जगा है। केंद्रीय सचिवों में सिर्फ तीन ओबीसी होने की बातें वे जनसभाओं में उस तरह कह रहे हैं, जैसे कि यह कोई नई जानकारी वो ढूंढ लाए हैं। उन्हें लगता होगा कि इससे ओबीसी जातियां कांग्रेस के पक्ष में गोलबंद हो जाएंगी। मगर दिक्कत यह है कि यह राजनीति दशक भर से ज्यादा पुरानी हो चुकी है। इस बीच भाजपा ने जातीय प्रतिनिधित्व की राजनीति इतनी कुशलता से की है कि दलित या ओबीसी की बड़ी आइडेंटिटी के आधार पर उस श्रेणी में आने वाली तमाम जातियों के ध्रुवीकरण की जमीन खिसक चुकी है। ऐसा नहीं होता, तो मंडलवादी पार्टियां आज दिग्भ्रमित और संघर्ष करती नज़र नहीं आतीं। जाहिर है, राहुल गांधी जिन नारों का सहारा ले रहे हैं, उनका एक्सपायरी डेट गुजर चुका है। उधर इस क्रम में यह भी संभव है कि राहुल गांधी के नारों से कांग्रेस के कुछ परंपरागत समर्थक बिदक जाएं।

न्यायपालिका का सकारात्मक हस्तक्षेप

सर्वोच्च अदालत ने विधायिका की शुचिता को ध्यान में रखते हुए एक बड़ा सकारात्मक हस्तक्षेप किया है। सुप्रीम कोर्ट ने तय किया है कि चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात सदस्यों की एक संविधान पीठ इस बात पर विचार करेगी कि सदन के अंदर रिश्वत लेने पर सांसद या विधायक को मुकदमे से मिलने वाली छूट जारी रहनी चाहिए या उसे खत्म कर दिया जाए? यह बेहद महत्वपूर्ण सवाल है, जो राजनीति की नैतिकता से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की बेंच ने इस सवाल पर विचार किया था और संविधान के अनुच्छेद 105 (2) और 194 (2) के तहत सांसदों को मिली छूट को बरकरार रखा था। पांच जजों की बेंच ने 1998 में अपना फैसला सुनाया था और पिछले 25 साल से यह नजीर है। अब सात जजों की बेंच इस फैसले पर पुनर्विचार करेगी।

यह एक संयोग है कि जिस विवाद के बाद पांच जजों की बेंच ने इस सवाल पर विचार किया था और जिस विवाद के बाद अब सात जजों की बेंच इसी सवाल पर फिर से विचार करेगी वो दोनों विवाद झारखंड मुक्ति मोर्चा से जुड़े हैं। पहला मामला 1993 का है, जब केंद्र की पीवी नरसिंह राव सरकार को बचाने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन सहित पांच सांसदों ने कथित तौर पर रिश्वत ली थी। इस मामले में सर्वोच्च अदालत ने सांसदों को मिले संसदीय विशेषाधिकार का हवाला देकर उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। यह फैसला 1998 में आया था और पिछले 25 साल से इसे संवैधानिक प्रावधानों के साथ मिला कर देखा जाता है।

दूसरा मामला, जिसके बाद सात जजों की संविधान पीठ बनाई गई है, झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक सीता सोरेन का है। आरोप है कि जामा विधानसभा सीट की विधायक के तौर पर उन्होंने 2012 में राज्यसभा चुनाव में एक खास उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने के लिए पैसे लिए थे। जब इस मामले की सीबीआई जांच की मांग हुई तब सीता सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट के 1998 के फैसले का हवाला दिया था और कहा था कि सांसदों और विधायकों को सदन के अंदर किए गए किसी भी काम या भाषण के लिए आपराधिक मुकदमे से छूट मिली हुई है। तभी से यह मामला विचाराधीन है और 2019 में तब के चीफ जस्टिस रंजन गोगोई ने इसे व्यापक प्रभाव और सार्वजनिक महत्व का बताते हुए पांच जजों की बेंच के सामने भेजा था। अब चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने भी कहा है कि यह राजनीतिक नैतिकता पर प्रभाव डालने वाला महत्वपूर्ण मुद्दा है इसलिए इस पर बड़ी बेंच को सुनवाई करना चाहिए। इसके बाद सात जजों की बेंच का गठन कर दिया गया। इस मसले पर सात जजों की संविधान पीठ का विचार करना एक नए दौर की शुरुआत का संकेत है। यह स्पष्ट रूप से विधायिका के अधिकारों में न्यायपालिका का हस्तक्षेप है तभी केंद्र सरकार की ओर से देश के सबसे बड़े कानून अधिकारी वेंकटरमणी ने इसका विरोध किया। इस मामले में संवैधानिक स्थिति चाहे जो हो सार्वजनिक जीवन से जुड़ी नैतिकता की कसौटी पर यह सही नहीं है। किसी भी प्रावधान के तहत किसी सांसद या विधायक को रिश्वत लेने की छूट कैसे दी जा सकती है? वैचारिक विचलन का मामला अलग है लेकिन रिश्वत लेना तो विशुद्ध रूप से भ्रष्टाचार का मामला है, जिसे अगर विधायिका के अंदर छूट दी गई तो बाहर कैसे साफ-सुथरा शासन, प्रशासन सुनिश्चित किया जा सकेगा? तर्क के लिए कहा जा सकता है कि केंद्र की मनमोहन सिंह की सरकार के समय कई सांसदों पर पैसे लेकर सवाल पूछने का आरोप लगा था। एक स्टिंग ऑपरेशन की वीडियो में कई सांसद प्रश्न पूछने के लिए पैसे लेते दिखाए गए थे और संसद ने उनकी सबकी सदस्यता खत्म कर दी थी। लेकिन रिश्वत लेने के आरोप में सदस्यता समाप्त करना और आगे उनके चुनाव लड़ने पर रोक नहीं लगाना कोई सजा नहीं है। एक लोक सेवक को रिश्वत लेने के आरोप में जो सजा होती है वह सजा होनी चाहिए। तभी आम सरकारी सेवकों के लिए नजीर बनेगी।

इसलिए सुप्रीम कोर्ट की यह पहल एक सकारात्मक हस्तक्षेप है। अगर अदालत सुनवाई के दौरान इसका दायरा बढ़ाए और सांसदों व विधायकों को आपराधिक अभियोजन से मिली छूट के सभी पहलुओं पर विचार करे तो ज्यादा बेहतर होगा। ऐसा इसलिए जरूरी लगता है क्योंकि नए संसद भवन के पहले सत्र में ही भाजपा के एक सांसद ने बहुजन समाज पार्टी के एक सांसद के ऊपर बेहद आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियां कीं। उनको भी संविधान के अनुच्छेद 105 (2) और 194 (2) के तहत किसी भी आपराधिक अभियोजन से छूट मिली हुई है। सात जजों की संविधान पीठ को इस मसले पर भी विचार करना चाहिए। रिश्वत का मामला निश्चित रूप से ज्याद महत्वपूर्ण है लेकिन सांसदों का आचरण भी कम अहम नहीं है। उन्होंने एक धर्म विशेष के सांसद के लिए जैसे विशेषणों का इस्तेमाल किया है अगर उसके लिए उनके ऊपर कार्रवाई नहीं होती है तो इससे समाज में ऐसे विशेषणों के इस्तेमाल को स्वीकृति मिलेगी, जो देश की सामाजिक संरचना के लिए ठीक नहीं है। इसलिए रिश्वत के साथ साथ दूसरे मसलों पर विचार किया जाना चाहिए।

इस मामले में जरूरी यह है कि देश की सरकार और विधायिका दोनों इसे सकारात्मक तरीके से लें और इसे न्यायपालिका बनाम कार्यपालिका और विधायिका का मुद्दा न बनाएं। ध्यान रहे पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के स्पीकर को निर्देश दिया था कि शिव सेना के विधायकों की अयोग्यता के मामले में जल्दी फैसला करें तो उन्होंने दो टूक अंदाज में कहा कि वे न जल्दी फैसला करेंगे और न देरी करेंगे। सोचें, सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई को इस मामले में फैसला सुनाया था और विधायकों की अयोग्यता का मामला स्पीकर पर छोड़ा था। अदालत ने संवैधानिक प्रावधानों का बराबर ख्याल रखा लेकिन स्पीकर ने क्या किया? उन्होंने चार महीने तक इस पर कोई सुनवाई नहीं की। जब मामला दोबारा सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा तो उन्होंने आनन फानन में एक सुनवाई कर डाली। तब जाकर सुप्रीम कोर्ट ने 17 सितंबर को नाराजगी जताते हुए कहा कि स्पीकर मामले को अनिश्चितकाल के लिए नहीं टाल सकते हैं। इस तरह की टिप्पणी अदालत ने महाराष्ट्र के ही राज्यपाल रहे भगत सिंह कोश्यारी के लिए भी की थी, जब उन्होंने राज्य सरकार की ओर से विधान परिषद में नामित करने के लिए भेजे गए 12 नामों को एक साल से ज्यादा समय तक रोके रखा था। हालांकि अदालत के कहने के बावजूद राज्यपाल ने नामों को मंजूरी नहीं दी थी।

यह सही है कि ऐसे मामले में राज्यपाल को और विधायकों की अयोग्यता के मामले में स्पीकर के फैसला करने के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है लेकिन अनंतकाल तक ऐसे मुद्दों को लंबित रखना भी एक किस्म का भ्रष्टाचार है। ऐसे मामलों में अगर अदालत कोई टिप्पणी करती है तो उसे सरकार को टकराव का मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। इस बीच एक और अच्छी बात यह हुई है कि चीफ जस्टिस ने एक स्थायी संविधान पीठ बनाने की बात कही है ताकि संवैधानिक मसलों पर जल्दी सुनवाई हो सके। बदलते हुए समय के साथ इस तरह की व्यवस्था अंततः विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका तीनों को मजबूती देगी।

-अजीत द्विवेदी-

देश को गाँधी की जरुरत है

सत्य और अहिंसा की
जो सच्ची मूरत है
मेरे देश को फिर से
गाँधी की जरुरत है
1.सत्य,अहिंसा से
बांध सके जो देश को
कर्मठता से पहचान सके जो देश को
ऐसे महामानव की
देश को जरुरत है
मेरे देश को फिर से
गाँधी की जरुरत है
2.सम्मति के सन्देश को
जन तक लाना है
भारत देश मे फिर
राम राज अब लाना है
एकता के सूत कातने
चरखे की जरुरत है
मेरे देश को फिर से
गाँधी की जरुरत है
3. जन-जन मे प्रेम जगाकर,
राष्ट्र को सबल करें
गाँधी के विचारों को
शिरोधार्य हम सब करें
गाँधी के उपदेशो की
फिर हमें जरूरत है
मेरे देश को फिर से
गाँधी की जरुरत है
4.आदर्शों पर चल,
सत्य के पथ बढ़ना
स्वार्थ से परे,राष्ट्र हित मे मर मिटना
ऐसे निश्छल महापुरुष की
फिर जरुरत है
मेरे देश को फिर से
गाँधी की जरुरत है

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़

मैं बेटा

पं. सदानंद शर्मा नाम मेरा,
नानक नगर में रहता हूँ।
गले में क्रास पहन कर,
नमाज अदा मैं करता हूँ।
कश्मीर से कन्याकुमारी,
बहुत बड़ा है घर मेरा।
हर युवती बहन मेरी,
हर युवक है भाई मेरा।
न पंजाबी न गुजराती,
न मैं राजस्थानी हूँ।
भारत मेरी माता है,
मैं बेटा हिंदुस्तानी हूँ।

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
घोटिया-बालोद
छत्तीसगढ़

पहेलियां

(1)
गोल चश्मा झब्बर सी मूंछें
चेहरे पर मुस्कान
बताओ तो बच्चों भारत का
कौन महान इंसान
(2)
नवरात्रि सब पूजा करते
नौ रूप है जिसके
सिंह पर सवारी करती
बोलो समझ आई किसके
(3)
रात अमावस फिर भी दमके
रहे मिठाइयों की भरमार
धूम धड़ाके के बिच मनता
बच्चों कौनसा वो त्योहार ।
(4)
छोटा कद लाल धरती के
भारत माता के अभिमान
जन्म हुआ गांधी जी संग
नेता भले भले इंसान ।
(5)
अपनी है फिर भी पराई
ईश्वर का वरदान
संसार में भर दी जिसने
विविध रंगों की मुस्कान ।
(6)
धर्म ग्रंथ ना कोर्स की पुस्तक
फिर भी जुर्रत पढ़ने की
देता युक्ति सभी जनों को
आगे - आगे बढ़ने की ।
(7)
दो पैर दो हाथ है जिसके
बीस आंख दस सिर
जल जाता हर वर्ष सदा
आगे आ जाता फिर फिर ।

उत्तर पहेलियां : (1) महात्मा गांधी (2) दुर्गा मां` (3) दीपावली (4) लाल बहादुर शास्त्री (5) बेटी (6) संविधान (7) रावण ।

व्यग्र पाण्डे
गंगापुर सिटी
राजस्थान

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

गुजरात से सेमीकंडक्टर उद्योग का आगाज

» माइक्रोन का संयंत्र अन्य राज्यों के लिए बनेगा पथप्रदर्शक,खुलेंगे अवसर के नए द्वार

गुजरात स्थित साणंद में सेमीकंडक्टर संयंत्र का शिलान्यास कर भारत ने इस महीने एक और इतिहास रचा है। अरसे से सेमीकंडक्टर उद्योग लगाने का सपना अब साकार होने जा रहा है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबल एवं निर्णायक नेतृत्व को जाता है। उनकी अगुवाई में केंद्र सरकार ने विगत करीब साढ़े नौ साल के दौरान अनेक ऐतिहासिक फैसले लिए हैं, जिनमें भारत को सेमीकंडक्टर राष्ट्र बनाने का निर्णय एक युगांतकारी कदम है। इससे देश में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अवसर के नए द्वार खुलेंगे और डिजिटल अर्थव्यवस्था रफ्तार पकड़ेगी।

विश्व को 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना से काम करने की नसीहत देने वाला भारत आज दुनिया की आर्थिक महाशक्तियों के लिए एक भरोसेमंद रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदार बनकर उभरा है। भारत की प्रौद्योगिकी समर्थित-प्रगति विकासशील देशों के लिए प्रेरक बन गई है। जबकि अत्याधुनिक व उन्नत प्रौद्योगिकी लैस विकसित देश भारत के साथ साझेदारी के अवसर तलाश रहे हैं। महज एक दशक पहले भारत से विदेशी निवेशक पलायन कर रहे थे आज यह देश उनके लिए निवेश का पसंदीदा ठिकाना बन गया है। कोविड की विषम परिस्थितियों से सक्षमतापूर्वक निपटने और आर्थिक गतिविधियों दोबारा पटरी पर लाने में भारत ने जो तत्परता दिखाई वह पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल बन गई है।

महामारी के बाद बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत के आर्थिक विकास की तीव्र रफ्तार सबसे बड़ी वजह है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्थाई सरकार, जो साहसिक फैसले लेती है।

गुजरात में सेमीकंडक्टर उद्योग के संयंत्र की स्थापना मोदी सरकार की इस महीने की एक और बड़ी उपलब्धि है। सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी अमेरिकी कंपनी माइक्रोन द्वारा गुजरात के साणंद में अपना पहला संयंत्र के लिए 23 सितंबर को भूमि-पूजन किये जाने साथ भारत ने सेमीकंडक्टर के अपने सफर का आगाज किया। इसके दो दिन पहले 21 सितंबर को संसद ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण के प्रावधान वाले विधेयक पर मुहर लगाकर देश की आधी आबादी की दशकों से लंबित मांग पूरी की। नये भारत की नवीन परिकल्पना और अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नव निर्मित संसद भवन में प्रवेश हमारे लिए एक सुनहरा पल था। इस नये संसद भवन में विशेष सत्र के दौरान पहले विधेयक के रूप में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित करवाकर मोदी सरकार ने वाकई इतिहास रचा है।

इससे पहले 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिल्पकारों के देवता भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर देश के कारीगरों व

शिल्पकारों के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ किया, जिससे 18 पारंपरिक व्यवसायों को नया जीवन मिलेगा। यह संयोग है कि नये भारत के शिल्पकार आदरणीय मोदी का भी जन्म-दिन 17 सितंबर ही है। इस महीने के आरंभ में देश की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से स्वीकृत नई दिल्ली घोषणा-पत्र में अभूतपूर्व फैसले लिए गए। शिखर-सम्मेलन में हिस्सा लेने आए राष्ट्राध्यक्षों ने भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करके शासन-व्यवस्था को सरल व पारदर्शी बनाने और नागरिकों को सशक्त करने की पहलों की खूब सराहना की।

भारत ने 2025-26 तक देश की जीडीपी में डिजिटल अर्थव्यवस्था की हिस्सेदारी 20 फीसदी से अधिक करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम में सेमीकंडक्टर का अहम स्थान है। आज इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले चिप का भारत आयात करता है, लेकिन जब देश में चिप बनने लगेंगे तो आयात पर निर्भरता घटेगी। इस तरह सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास से देश में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को गति मिलेगी। हालांकि माइक्रोन के सेमीकंडक्टर संयंत्र का निर्माण अभी भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग की विकास यात्रा का महज आरंभ है। लेकिन यह शुरुआत भी जिस अंदाज के साथ हुई है उससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि अन्य देशों के मुकाबले भारत बहुत कम समय में सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बन सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करीब 22 महीने पहले दिसंबर 2021 में 10 अरब डॉलर की राशि के साथ भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) को मंजूरी दी थी, जो भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक व्यापक दशकीय रोडमैप है। इस 10 साल में महज 10 अरब डॉलर की राशि से हमने जितना हासिल करने का लक्ष्य रखा है उतना चीन 200 अरब डॉलर खर्च करके 30 साल में भी नहीं कर पाया है।

हमारा मकसद भारत को वैश्विक मानचित्र पर ऐसे सेमीकंडक्टर राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है जो न सिर्फ अपनी घरेलू जरूरतों की पूर्ति करेगा बल्कि दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला में अहम योगदान करेगा।

दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनी माइक्रोन ने भारत में अपनी विनिर्माण इकाई स्थापित करने की घोषणा के महज तीन महीने बाद यहां संयंत्र निर्माण का काम शुरू कर दिया है। साणंद में जीआईडीसी-2 औद्योगिक क्षेत्र स्थित करीब 93 एकड़ के क्षेत्र कंपनी अपनी असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) केंद्र का निर्माण करेगी जिसे तैयार होने में करीब 18 महीने लग सकता है।

बहरहाल, माइक्रोन पास में 10 एकड़ के परिसर स्थित एक फैक्टरी का अधिग्रहण करके पाइलट के तौर पर उसे अपनी एटीएमपी सुविधा के रूप में तैयार कर रही है।

माइक्रोन ने अपने पूरे प्रोजेक्ट की लागत करीब 2.75 अरब रहने की घोषणा की थी जिसमें केंद्र सरकार की तरफ से 50 फीसदी प्रोत्साहन के साथ-साथ राज्य सरकारी की सब्सिडी भी शामिल है। निवेश की इस राशि से करीब 5000 नई प्रत्यक्ष और 15,000 सामुदायिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात में माइक्रोन का यह संयंत्र भारत के सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इससे अन्य प्रांतों को भी ऐसी क्रिटिकल प्रौद्योगिकी के विकास के लिए अनुकूल इकोसिस्टम तैयार करने की नसीहत मिलेगी। प्रधानमंत्री बनने से पहले मोदी करीब 13 साल गुजरात के मुख्यमंत्री रहे। उस दौरान उन्होंने राज्य के औद्योगिकी विकास के लिए अनुकूल पारिस्थितिक तंत्र और जरूरी बुनियादी सुविधाएं तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया। नतीजतन, विदेशी निवेशकों के लिए गुजरात निवेश का एक आकर्षक ठिकाना बन गया है।

दुनिया के देश भारत को ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन में एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देख रहे हैं। विश्व की दिग्गज कंपनियां भारतीय युवाओं की मेधा शक्ति और कौशल के कायल हैं। सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम के विकास से आने वाले दिनों में देश के युवाओं के लिए अवसर के अनेक दरवाजे खुलने वाले हैं जिससे देश की अर्थव्यवस्था का तेसे विस्तार होगा और भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को जल्द ही हासिल करेगा।

-राजीव चंद्रशेखर-

उज्जैन अमानवीय घटना और मानवता की प्रकाष्ठा

केशी गुप्ता
द्वारका दिल्ली

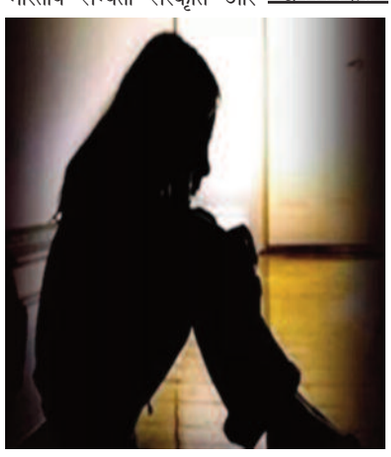

महाकाल की पावन भूमि उज्जैन में हुए एक 12 वर्षीय बच्ची के बलात्कार की घटना और वहां के सार्वजनिक लोगों द्वारा मदद न करने की खबर ने भारतीय सभ्यता संस्कृति और मानवता की प्रकाष्ठा पर एक बार फिर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। तथा कथित तथ्यों पर आधारित यह नाबालिक बच्ची कक्षा आठवीं की छात्रा है और बलात्कारी एक वयस्क 38 वर्षीय ऑटो ड्राइवर है। जिसे पुलिस द्वारा इस घिनौने अपराध के लिए हिरासत में ले लिया गया है। यह बच्ची अपने दादा और भाई के साथ सतना जिले की रहने वाली है । जो 25 सितंबर को उज्जैन पहुंची । सवाल यह होता है कि आखिर यह बच्ची स्कूल यूनिफॉर्म में उज्जैन क्यों आई? तथाकथित सूत्रों पर आधारित ऐसा कहा जा रहा है कि यह बच्ची पूर्णतः मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है । बड़ा सवाल यह है कि क्या अपराधी स्वयं मानसिक रूप से स्वस्थ है ? क्या यह समाज की कुंठित दोहरी मानसिकता को नहीं दर्शाता है? आखिर क्यों उस क्षेत्र के सार्वजनिक लोग पीड़ता की मदद करने से घबरा रहे थे ? क्या यह न्याय प्रणाली का डर है या सभ्य समाज का दोहरा मापदंड ? सूत्रों के मुताबिक या बच्ची शहर भर में घर-घर लोगों का दरवाजा मदद के लिए खटखटाती रही मगर लोग उसकी मदद के लिए आगे नहीं आए। कई बार परिस्थितियों इस तरह से होती हैं कि आप चाह कर भी मदद करने में स्वयं को असहाय महसूस करते हैं । जिसकी वजह न्याय प्रणाली की कठोर प्रक्रिया से गुजरना भी होता है । कोई भी साधारण व्यक्ति पुलिस इत्यादि के चक्कर में फंसना नहीं चाहता है। ऐसा भी कहा जा रहा है कि कुछ लोगों ने उसे पैसे दे भगा दिया । दूसरी तरफ समाज मे कुछ ऐसे निर्भय निडर लोग भी देखने को मिलते हैं जो बिना किसी डर के आगे बढ़कर पीड़ित व्यक्ति की मदद करते है । बारनगर आश्रम के बाहर यह बच्ची खून से लथपथ बेहोशी की हालत में पाई गई । यही के किसी व्यक्ति ने पुलिस को इन्फॉर्म किया । ऐसी ही लोग धरती के सतंभो का काम करते हैं । मानवता का एक ऐसा उदाहरण समाज के सामने लाते हैं जो अपने आप में एक मिसाल बन जाता है । यह कहना गलत नहीं होगा की इस गिरते समाज में आज भी मानवता कहीं ना कहीं जिंदा है । यह कहना गलत नहीं होगा कि इंसान चाहे तो नर से नारायण बन सकता है । जिसका रास्ता बेहद कठिन है। दूसरी तरफ शैतान बनने के लिए पल भर नहीं लगता । अभी इस केस पर पुलिस द्वारा तहकीकात जारी है । हम उम्मीद करते हैं कि इस तरह के घिनौने अपराधों को रोकने के लिए भारतीय न्याय प्रणाली के अंतर्गत अपराधियों को सबसे सख्त सजा दी जाएगी ।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

ओबीसी को लेकर मोदी सरकार को घेर रहे राहुल गांधी

क्या इस मुद्दे पर कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड जानना चाहेंगे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी बिना किसी तथ्य के मोदी सरकार पर तमाम मुद्दों को लेकर हमले बोलते हैं। इसी कड़ी में आजकल वह जाति जनगणना की मांग करते हुए मोदी सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि देश को चला रहे अधिकारियों में मात्र तीन केंद्रीय सचिव ही ओबीसी समुदाय से हैं। ऐसे में यह जानना बेहद जरूरी हो जाता है कि इस मामले में कांग्रेस का अपना खुद का ट्रैक रिकॉर्ड क्या है? इस समय देखें तो कांग्रेस चार राज्यों- छत्तीसगढ़, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में अपने बलबूते सरकार चला रही है। इन चारों ही राज्यों में मुख्य सचिव सामान्य श्रेणी से संबद्ध हैं। इसी प्रकार यदि हम कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों वाले विपक्षी गठबंधन इंडिया पर नजर दौड़ाएं तो पाएंगे कि वहां भी ओबीसी को ज्यादा प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। पंजाब, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड और केरल के मुख्य सचिव भी अपर कास्ट से संबद्ध हैं जबकि तमिलनाडु एकमात्र ऐसा उदाहरण है जहां मुख्य सचिव शिव दास मीणा एसटी श्रेणी से संबद्ध हैं।

यही नहीं, सरकारी रिकॉर्ड यह भी दर्शाते हैं कि 1985 से 1989 तक जब राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री थे, तब केंद्र में सचिव पद पर कोई भी अधिकारी आरक्षित वर्ग यानि एससी/एसटी श्रेणी से नहीं था। अगर हम 2023 के हालात को देखें तो केंद्र में सात सचिव एससी श्रेणी और पांच एसटी श्रेणी से हैं। इसी प्रकार यदि हम 2014 के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो उस समय केंद्र में अतिरिक्त सचिव और संयुक्त-सचिव पद पर ओबीसी समुदाय से संबंधित सिर्फ दो ही अधिकारी थे लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में इन पदों पर ओबीसी अधिकारियों की संख्या 2 से बढ़कर 63 हो चुकी है। हम आपको यह भी बता दें कि आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में केंद्र सरकार में प्रधान सचिव और सचिव पद पर काम करने वाले सभी अधिकारी सामान्य श्रेणी से ही थे।

यहां एक बात और समझने की जरूरत है कि जहां तक केंद्र सरकार के पदों में ओबीसी को आरक्षण की बात है तो यह 1993 में पेश किया गया था और इसके तहत पहली नियुक्ति पाने वाले अधिकारीगण 1995 बैच के थे जोकि अब तक सचिव रैंक तक नहीं पहुँचे हैं। देखा जाये तो किसी भी आईएएस अधिकारी को अपना कॅरियर शुरू करने से लेकर केंद्र में सचिव पद तक पहुँचने तक लगभग ढाई से तीन दशक तक का समय लग जाता है। इसलिए राहुल गांधी ने जब यह कहा कि केंद्र में ओबीसी को पर्याप्त संख्या में प्रतिनिधित्व नहीं मिला है तो एक बार फिर साबित हो गया कि वह बिना जाने समझे कुछ भी कह देते हैं। यही नहीं राहुल गांधी ने महिला आरक्षण विधेयक में भी ओबीसी के लिए आरक्षण की वकालत की जबकि मनमोहन सरकार जब यह विधेयक लायी थी तब कांग्रेस ने भी उसमें ओबीसी आरक्षण का प्रावधान नहीं किया था। यही नहीं, राहुल गांधी आज जिस जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं उसके बारे में उन्हें यह जवाब भी देना चाहिए कि साल 2011 में जब उनकी पार्टी की सरकार ने देश में जनगणना कराई थी तो उसने जातिगत आंकड़ों को क्यों नहीं जारी किया था?

बहरहाल, विपक्ष का काम सरकार पर सवाल उठाना है इसमें कोई दो राय नहीं। लेकिन सवाल का आधार पुख्ता होना चाहिए। साथ ही सवाल उठाने से पहले अपने गिरेबां में भी झांक कर देखना चाहिए। आज राहुल गांधी जो भी सवाल उठाते हैं उनसे पूर्व की कांग्रेस सरकारों पर भी सवाल उठ जाते हैं। राहुल गांधी को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद ओबीसी से संबद्ध हैं और गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में राहुल गांधी को जवाब दे ही चुके हैं कि देश को सचिव नहीं बल्कि सरकार चलाती है और मोदी सरकार के सांसदों में ओबीसी की संख्या कांग्रेस के कुल सांसदों से ज्यादा है। अमित शाह ने बताया था कि मोदी सरकार में 29 फीसदी यानि 85 सांसद ओबीसी से हैं और 29 केंद्रीय मंत्री भी ओबीसी से ही संबद्ध हैं।

-नीरज कुमार दुबे-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

शराब दुकान हटाने को लेकर
स्थानीय लोगों ने किया भजन-कीर्तन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शराब दुकान हटाने की मांग करते थक-हार चुके क्षेत्रवासियों ने शनिवार को अनोखा प्रदर्शन किया। क्षेत्रवासियों ने शराब दुकान के बाहर भजन-कीर्तन कर शासन को जगाने का काम किया।

शराब दुकान के सामने किए जा रहे अनोखे प्रदर्शन की जानकारी जिला आबकारी अधिकारी नवनीत तिवारी तक पहुंची और वे मौके पर पहुंच गए। इन्होंने सुबह 10 बजे से डटे महिला-पुरूषों को मनाने की कोशिश की, हर बार की तरह ट्रांसपोर्टनगर या अन्य किसी स्थल पर शराब दुकान हटाने का आश्वासन दिया। लेकिन इन्होंने जुबानी

वार्तालाप से इन्कार कर दिया और लिखित में आश्वासन देने कहा। उन्होंने ऐसा कुछ भी लिखकर देने से इन्कार किया, तो वे भजन-कीर्तन करने बैठ गए। इसकी जानकारी जिला आबकारी अधिकारी ने एसडीएम पूजा बंसल को दी, इसके बाद वे मौके पर पहुंचीं। चर्चा के दौरान इन्होंने दो माह के अंदर शराब दुकान हटवाने का आश्वासन दिया, लेकिन मौखिक आश्वासन से वे संतुष्ट नहीं हुए। प्रदर्शनकारियों ने कहा जिस स्थान पर शराब दुकान का संचालन हो रहा है, वहां कई घर-मकान हैं। यहां की महिलाएं, युवतियां किन हालातों से गुजरती होंगी, इस दर्द का अंदाजा एक महिला अफसर होने के नाते वे स्वयं लगा सकती हैं। शराब दुकान हटाने का मौखिक आश्वासन उन्हें पहले भी कई बार मिल चुका है, लेकिन स्थिति यथावत है। एसडीएम से इन्होंने आश्वासन लिखित में मांगा, उन्होंने इस पर असहमति जताई और बातों से ही मनाने की कोशिश कीं। एसडीएम ने भजन-कीर्तन में लगे लोगों से कहा वे अपनी ओर से लिखित में शराब दुकान हटाने की मांग पत्र दें, वे इसे आवश्यक कार्रवाई के लिए रायपुर भेज देंगी। साथ ही दो माह में शराब दुकान हटवाने की बात दोहराई। बहरहाल शराब दुकान नहीं हटने तक गंगापुर में शराब दुकान के सामने भजन-कीर्तन करने की मंशा रखे लोग इनकी बातों से कितना संतुष्ट हो पाए, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। देखना यह है प्रशासन की ओर से दी गई समझाइश काम आती है या इनका भजन-कीर्तन जारी रहता है। इस दौरान अंकुर सिन्हा, सुरेश बुनकर, अनीता साहनी, मीना केशरी, सुनीता सिंह, पार्वती केशरी, पूजा चौहान, पार्वती विश्वकर्मा, अनीश साहनी, मोनू सहित अन्य उपस्थित थे।

मानसून की वर्षा में लगातार विचलन होने से किसानों की बढ़ी चिंता

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भारत में मानसून की अवधि 1 जून से 30 सितम्बर तक मानी जाती है। मानसून की इन 122 दिनों में तथा मानसून की अवधि के बाद के औसतन 15 दिन अर्थात 15 अक्टूबर तक सम्पूर्ण भारत बादलों के आगोश में रह कर भरपूर भीगता है। मौसम विज्ञानी एएम भट्ट के अनुसार वर्षा आधारित कृषि कार्य पर आश्रित किसानों के लिए यह अवधि उनके आर्थिक जीवन को सबसे अधिक प्रभावित करता है। अनुकूल वर्षा होने पर जहां उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ होती है वहीं वर्षा की प्रतिकूलता उनके जीवन में किसी बवंडर से कम नहीं होता है। विशेष रूप से जब हम सरगुजा जैसे अंचल के किसानों की स्थिति पर चिंतन करते हैं तो वर्षा की प्रतिकूलता उनके लिए बड़ी विपदा नजर आती है। पहाड़ो और पठारों की अधिकता होने से वर्षा के जल का समुचित संधारण नहीं हो पाने से सिंचाई के सीमित विकल्पों के कारण उन्हें आपेक्षित उपज नहीं मिल पाती है जिससे भविष्य की आजीविका की उनकी चिंता सताती है।

यदि हम अम्बिकापुर के विगत 15 वर्षों में हुई मानसूनी वर्षा के आंकड़ों का अवलोकन करें तो इन 15 वर्षों में उत्तर छत्तीसगढ़ की मानसून की वर्षा में लगातार विचलन हुआ है। जहां अम्बिकापुर की दीर्घावधि मानसून की वर्षा का औसत 1211 मिमी आता है वहीं विगत अर्द्ध शताब्दी में सबसे कम वर्षा के होने का रिकार्ड भी इन्हीं 15 वर्षों में बनता देखा गया है। पिछले 50-52 वर्षों में सन 2009 और 2010 में जून से सितम्बर के मानसून काल में क्रमशः 603.2 और 649.7 मिमी की सबसे न्यून वर्षा हुई थी। इन 15 वर्षों में से सिर्फ तीन वर्षों 2011(1445.5 मिमी), 2016 (1331.6 मिमी) और 2017 (1383.5 मिमी) में ही वर्षा औसत से अधिक दर्ज की गई है। 2017 के बाद से 2023 वर्तमान वर्ष तक वर्षा की मात्रा 1100 मिमी तक भी नहीं पहुंची है। इस वर्ष अम्बिकापुर में मात्र 873.1 मिमी वर्षा मानसून काल में अभी तक (29 सितम्बर शाम तक) दर्ज की गई। पिछले वर्ष 2022 में यह आंकड़ा 1052.5 मिमी था।

अविभाजित सरगुजा में वर्षा की स्थिति

सरगुजा

2023	अम्बिकापुर	बतौली	लखनपुर	लुन्ड्रा	मैनपाट	सीतापुर	उदयपुर
जून	136.9	75.7	43.2	57.8	119.1	168.1	50.1
जुलाई	186.9	70.4	157.3	58.8	92.0	104.4	86.4
अगस्त	357.4	104.7	218.2	190.9	103.1	130.0	159.6
सितम्बर	191.9	126.2	119.8	142.9	194.9	225.0	102.9
योग	873.1	377.0	538.5	450.4	509.1	627.5	399.0

बलरामपुर

2023	बलरामपुर	कुसमी	राजपुर	रामानुजगंज	शंकरगढ़	वाड्रफनगर
जून	94.3	263.0	244.4	112.8	101.3	116.2
जुलाई	80.8	327.1	240.0	69.6	120.7	78.6
अगस्त	218.3	542.0	471.8	354.2	377.1	246.7
सितम्बर	215.1	584.0	155.4	245.8	244.7	184.3
योग	608.5	1716.1	1111.6	782.4	843.8	625.8

सूरजपुर

2023	भैयाथान	ओडगी	प्रतापपुर	प्रेमनगर	रामानुजनगर	सूरजपुर
जून	120.2	204.7	118.0	158.4	234.6	192.6
जुलाई	217.7	149.5	102.9	171.1	202.5	106.7
अगस्त	211.9	186.1	345.1	241.8	472.6	302.2
सितम्बर	112.5	167.0	104.5	131.0	140.2	105.4
योग	662.3	707.3	670.5	702.3	1049.9	706.9

कांग्रेस कमेटी सरगुजा सचिव जॉन लकड़ा ने अपने पद से दिया त्यागपत्र

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा सचिव जॉन लकड़ा ने अपने पद से त्यागपत्र दिया है।

उन्होंने अपना त्यागपत्र कांग्रेस जिला अध्यक्ष को सौंपा है।

जॉन लकड़ा ने कहा कि वह लगभग 35 वर्षो से पार्टी की सदस्यता लेकर बतौर कार्यकर्ता फिर दो बार पार्षद एवं वर्तमान में सचिव जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा के पद पर पार्टी के शीर्ष पदाधिकारियों के नेतृत्व में पार्टी हित में अपने दायित्वों एवं कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठापूर्वक कर रहा हूं। उन्होंने बताया है कि व्यक्तिगत कारणों से मैं अपने पद सचिव जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा से त्याग पत्र दे रहा हूं। उन्होंने निवेदन किया है कि मेरा त्याग पत्र स्वीकार कर मुझे मेरे पदीय दायित्वों से अभिमुक्त करने का कष्ट करें।

रोबोटिक सर्जरी तकनीक के माध्यम से छत्तीसगढ़ में कैंसर का इलाज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

संजीवनी कैंसर केयर फाउंडेशन एवं इंडियन डेंटल एसोसियेशन अम्बिकापुर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार 30 सितंबर को अंबिकापुर में एक निशुल्क कैंसर परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में डॉ अर्पण चतुर्मोहता, डॉ अनिकेत ठोके, डॉ राकेश मिश्रा एवं अविनाश तिवारी ने अंबिकापुर के लोगों का निशुल्क कैंसर जांच कर कैंसर परामर्श दिया। इस शिविर में कैंसर जागरुकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था जिसमे संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल के कैंसर विशेषज्ञों ने जानकारी साझा की। डॉ. अर्पण चतुर्मोहता ने बताया की रोबोटिक सर्जरी एक प्रोसिजर है जो सर्जरी के प्रक्रिया को और सुरक्षित और प्रशासनीय बनाती है। यह तकनीक ओरल कैंसर और हेड एंड नेक कैंसर के सर्जरी से जुड़े संकेतों का बेहतर नियंत्रण होता है, जिससे उपचार का सफलतापूर्वक परिणाम मिलता है। छेटा चीरा, कम ब्लीडिंग, जल्दी रिकवरी, जल्दी डिस्चार्ज इसके कुछ

मुख्य लाभ है। रोबोटिक सर्जरी तकनीक के माध्यम से हम छत्तीसगढ़ में ही इलाज के स्तर को वर्ल्ड क्लास सुविधाओं के स्तर तक बढ़ा चुके है। यह मरीजों को शीघ्र स्वस्थ होने की संभावना प्रदान करता है और सर्जरी के दौरान बेहतर निपुणता के साथ अधिक नियंत्रण में मदद करता है। डॉ अनिकेत ठोके एवं डॉ राकेश मिश्रा ने बताया की कीमोथेरेपी कैंसर को खत्म करने के लिए शक्तिशाली दवाओं का उपयोग करती है, जबकि इम्यूनोथेरेपी शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली का उपयोग करके बीमारी के खिलाफ लडने में मदद करती है। इन दोनों तकनीकों के सहायता से मुंह के कैंसर के रोगियों को बेहतर इलाज विकल्प प्रदान किया जाता है और उनके ठीक होने की संभावनाओं भी बढ़ जाती है। डॉ अविनाश तिवारी ने बताया की दर्द व्यवस्थापन (पेन मैनेजमेंट) मुंह के कैंसर कैंसर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे मरीजों को दर्द से राहत मिलती है और उनका जीवन बेहतर बनता है। पेलिएटिवकेयर से मरीजों को आराम दिलासा और ताकत मिलती है, जिससे उनका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है। ओरल कैंसर के मरीजों को पेन एवं पैलिएटिक्केयर का सही तरीके से प्राप्त करना जरूरी है। हमें इसे अनदेखा नहीं करना चाहिए, और मरीजों को उनके साथ होने वाले सभी परिणामों के बारे में सच्चाई बतानी चाहिए।

रक्तदान अमृत स्मरणोत्सव के दौरान 23 यूनिट किया गया रक्तदान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा रक्तदान अमृत स्मरणोत्सव अंतर्गत भारत के साथ ही विदेश की धरा

में मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन अपनी शाखा परिषदों व अन्य सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से 25 सितंबर से 1 अक्टूबर तक किया जा रहा है। जिसके तहत 30 सितंबर को नमस्कार महा मंत्र द्वारा शुरूआत किया गया। जिसके तहत तेरापंथ युवक परिषद अंबिकापुर द्वारा अग्रसेन भवन, खरसिया रोड एवं शासकीय जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 23 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। तेरपंथी सभा के अध्यक्ष मनोज डागा ने रक्तदान के लिए स्थान देने के लिए अग्रवाल सभा एवं ब्लड बैंक के स्टाफ को धन्यवाद दिया। रक्तदान करने में युवक परिषद अध्यक्ष पवन कोठारी, जयंत मनहोत, गौतम मनहोत ,मनोज बोथरा, महावीर सेठिया, हेमंत डाकलिया, हेमंत चोरडिया एवं अन्य सदस्यों का सहयोग रहा। वहीं इस दौरान महिला मंडल के पदाधिकारियों की भी उपस्थिति रही।

अरगोती में चिंतन शिविर कहां हुआ आयोजन

- संवाददाता -
लखनपुर,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखण्ड को आकांक्षी विकासखण्ड घोषित किये जाने उपरांत सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देशानुसार मॉडल विकासखण्ड बनाए जाने के लिए सभी विभागो को कार्ययोजना बनाने एवं सत प्रतिशत उपलब्धि हॉसिल करने के लिए लक्ष्य दिया गया है। लखनपुर विकासखण्ड के सुदूर वानांचल क्षेत्र के ग्राम पंचायत अरगोती मे शिक्षा विभाग का चिंतन शिविर विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सूरज प्रताप सिह के द्वारा आयोजित किया गया ।जिसमे घटोन, पटकुरा, मादीमहुआ, मौहारीपारा, डाडकेसरा, मुडापारा, जिवलीया जैसे दुर्गम क्षेत्र के शिक्षक / शिक्षिका तथा एस एम सी के सदस्य उपस्थित हुए।

चिन्तन शिविर का मुख्य बिन्दू गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ साथ शाला अप्रवेशी,शाला त्यागी बच्चो की संख्या शून्य करने तथा हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी के परीक्षा परिणाम को बेहतर करने का संकल्प उपस्थित शिक्षक तथा एस एम सी सदस्यो ने लिया।जिसमे प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला मे खेल खेल मे शिक्षा,नवाजतन,सुघ्घर पढवईया,एफ एल एन,उपचारात्मक शिक्षण ,पी एल सी,के माध्यम से शिक्षा पर विस्तार से चर्चा किया गया ।हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी मे अतिरिक्त कक्षाए ,प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी कराने पर बल दिया गया ।

चिन्तन शिविर मे विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सुरज प्रताप सिह,प्राचार्य जगेश्वर तिर्की,सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी मनोज तिवारी ,बीआर पी भागवत देवांगन एवं अरगोती संकुल के सी ए सी तथा शिक्षक/शिक्षिका ,एस एम सी सदस्य उपस्थित हुए।

पटवारी,कार्यालय में निजी कर्मचारी रख करा रहे वसूली

शिवसैनिकों ने SDM को सौपा ज्ञापन

- संवाददाता -
सूरजपुर,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शिवसैनिकों ने एसडीएम को ज्ञापन सौपकर पटवारी कार्यालय में पटवारियो द्वारा प्राइवेट कर्मचारी रखकर दस्तावेजो में छेड़छाड़ व वसूली का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग मि है। शिवसैनिकों ने अनुविभागीय (रा.) अधिकारी को सौपे ज्ञापन में बताया है कि सूरजपुर हल्का पटवारियों द्वारा मनमानी कार्य सहायक रख कर उनके माध्यम से रकम उगाही कराया जा रहा है। सूरजपुर सहित आस-पास के प.ह. में पटवारियों के द्वारा सहायक के तौर पर प्राईवेट व्यक्ति को रख कर भूमि खरीद, बिक्री पत्र में 15 से 20

हजार रूपये नामान्तरण में भी पैसा फौती में भी पैसा उक्त सहायक (दलाल) के माध्यम से की जा रही है। उक्त ह.प. जन शासकीय दस्तावेजो का लेखन भी दलाल सहायक के द्वारा कराया जाता है और रकम भी उसी के माध्यम से वसूली का हिस्सा पटवारी व अन्य भ्रष्टाचारी किस्म के अधिकारी अवैध लाभ उठा कर जिले की जनता का शोषण कर रहे है। जिससे आम जनो को गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है। उक्त सहायक रख कर वसूली करने वाले ह.प. जनो को हटा कर उचित कार्यवाही किये जाने की मांग की गई है। ज्ञापन सौपने वालो में ज्ञानेंद्र कुमार शास्त्री, विष्णु वैष्णव मनीष द्विवेदी, जानकी देवी बलजीत सिंह मरकाम भूदयाल खंडे राम शिरोमणि पटेल राहुल क्लेशवर ,दीपक ,उमेश सिंह, सोहन,करना, मेहश, मुकेश, कर्मजीत, अमित,बृजलाल, गोपीचंद शिव प्रसाद, मोहन सिंह, कृष्णा कुमारी,अर्जुन, धर्मपाल,जय सोनिवनी, परसोतम सिंह आदि शामिल थे।

नगर के युवाओं ने पकड़ा
अवैध रेलवे के लोहे से भरा ट्रक

प्रधान आरक्षक का नाम आ रहा सामने

- संवाददाता -
सूरजपुर,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

आज लगभग साढ़े चार बजे एक ट्रक जो संदिग्ध रूप से रामानुजनगर के पतरापाली से भारी मात्रा में कबाड़ और रेलवे में उपयोग होने वाले ज्वाइंटर से भरा था जो रिंगरोड सूरजपुर पेट्रोल पंप तिलसिंवा के पास से नगर के युवाओं ने पकड़ कर कोतवाली में सुपुर्द किया। जहां ट्रक मालिक ने वैध दस्तावेज ना होने से

ट्रक क्रमांक यू पी 14 जे ,टी 1699 जिसमें रेलवे का लोहा भरा था जिसका वजन भी एक प्रधान आरक्षक के मोबाइल में सेंड हुआ है। कोतवाली के सुपुर्द करा दिया।

आप को बता दें कि कोई आशिफ भाई

नाम का शख्स जो मोबाइल नंबर 9669965043 में बता रहा है कि रेलवे के लोहे का वजन कितना है, आशिफ भाई नामक शख्स बता रहा है कि 31200 वहीं एक और नंबर से आशिफ भाई नामक व्यक्ति के पास नंबर आ रहा है। वो नंबर सर्च करने पर सूरजपुर कोतवाली में पदस्थ एक प्रधान आरक्षक का बता रहा है।

क्या कहते हैं...जनप्रतिनिधि...

वहीं इस मामले में पुर्व जिला पंचायत सभापति पंकज तिवारी ने कहा है कि नगर में खाखी के आड़ में जो अवैध कार्य कबाड़ का काला धंधा हो रहा है,ये कांग्रेस के शासन में कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा नगर के युवाओं ने जो आज ये साहस भरा कार्य किया है उसके लिए वो बधाई के पात्र हैं, पुलिस की संलिप्तता इसमें साफ दिखाई दे रही है, जल्दी हम इसकी शिकायत प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल से किया जायेगा।

तो वहीं एएसपी सोभराज अग्रवाल से कोतवाली के एक प्रधान आरक्षक का नंबर रेलवे का कबाड़ लोड ट्रक के व्यक्ति आशिफ भाई नामक शख्स से कबाड़ का वजन या और भी किसी विषय में संलिप्तता दर्शाता है पुछे जाने पर एएसपी सोभराज अग्रवाल ने कहा कि मोबाइल की काल डिटेल और अन्य जानकारी प्राप्त करने के बाद उचित कार्रवाई की जायेगी।

पटकुरा में 13 हाथियों के दल ने मचाया उत्पात एक दर्जन से अधिक किसानों के धान फसल को किया बर्बाद

- संवाददाता -
लखनपुर,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम पटकुरा में हाथियों के पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है लगातार हाथियों के दल द्वारा किसानों के धान के फसलों को बर्बाद किया जा रहा है जो किसानों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। दिनभर जंगल में विचरण करने के बाद रात होते ही हाथियों के दल गांव में पहुंचने से ग्रामीण रतजगा कर करने को मजबूर है। सरगुजा जिले के मैनपाट और लखनपुर वन परिक्षेत्र के जंगल में 13 हाथियों का दल लंबे समय से डेरा जमाये हुए है । कुन्नी और अरगोती सर्कल के विभिन्न ग्राम हाथियों से प्रभावित है और ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। गुरुवार की रात 11 हाथियों का दल पोड़ी बस्ती से होते हुए ग्राम केनापारा तक पहुंच गया था। फसलों को नुकसान पहुंचाते हुए वापस उदयपुर वन क्षेत्र में लौट गए तो वहीं 13 हाथियों का दल डांड केसरा में ग्रामीण मोहित यादव

के मकान को क्षतिग्रस्त कर फसलों को नुकसान पहुंचाते हुए शुक्रवार की रात ग्राम पटकुरा के कुकुरटागा और मनोहर पतरा पहुंचा जहां एक दर्जन से अधिक किसानों के धान के फसल को नुकसान पहुंचाया है। मैनपाट और लखनपुर वन परीक्षेत्र के सीमा में स्थित जंगल में 13 हाथियों का दल विचरण कर रहा है। इसकी सूचना वन विभाग को दी गई है। वन विभाग की टिम मौके पर पहुंची है और क्षति हुई धान के फसल का आकलन किया जा रहा है। तो वहीं दूसरी ओर 11 हाथियों का दल उदयपुर वन परी क्षेत्र के जंगल पर विचरण कर रहा है। वन विभाग के द्वारा लगातार ग्रामीणों को हाथी से दूर रहने जागरूक किया जा रहा है। ग्राम पटकुरा मनोहर पतरा के किसान राकेश यादव, बसंत,पारस राजवाड़े, भूली मझवार ,दूदूल, धनी, पिंटू , राजनाथ, सुखवारो , टटू मझवार, चमन उरांव, बिगन आश्रित ग्राम कुकुर टागा के किसान शंभू ,तेज उरांव ,अरण साय ,तेजू यादव के धान फसल को नुकसान पहुंचाया गया है।

इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी की बढ़ी मुश्किलें,सिफर मामले में एफआईए का आरोप पत्र

नई दिल्ली,30 सितम्बर 2023 । पाकिस्तान की शीर्ष जांच एजेंसी ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को सिफर मामले में दोषी घोषित किया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने देश से संबंधित खुफिया जानकारियों का खुलासा किया था।

क्या है मामला?

संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। दोनों वर्तमान में न्यायिक रिमांड पर जेल में बंद हैं। इमरान खान को पिछले साल मार्च में वाशिंगटन स्थित देश के दूतावास द्वारा भेजे गए एक गुप्त राजनयिक केबल (सिफर) का खुलासा करके आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम का उल्लंघन करने के आरोप में पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था। एफआईए ने अदालत से पीटीआई नेताओं के खिलाफ मुकदमा शुरू करने और उन्हें कानून के अनुसार सजा देने का अनुरोध किया है।

पीटीआई के पूर्व महासचिव असद उमर का नाम एफआईए की आरोपियों की सूची में नहीं है, जबकि पूर्व प्रमुख सचिव आजम खान को इमरान खान के खिलाफ एफआईए के मजबूत गवाह के रूप में पेश किया गया है। एफआईए ने 27 मार्च को दिए गए इमरान खान और कुरैशी के भाषणों को भी अटैच किया है।

मामले में 28 गवाहों की सौंपी सूची

पाकिस्तान ऑब्जर्वर ने कहा, एफआईए ने अदालत में आरोप पत्र के साथ 28 गवाहों की एक सूची भी सौंपी है। इसमें कहा गया है कि गवाहों की सूची में विदेश सचिव असद माजिद, पूर्व विदेश सचिव सोहेल महमूद और अतिरिक्त विदेश सचिव फैसल नियाज तिर्मिज़ी के नाम शामिल हैं।

इससे पहले 26 सितंबर को यह तीसरी बार था जब इमरान खान को रिमांड पर जेल भेजा गया था। उनकी न्यायिक हिरासत को शुरू में 13 सितंबर तक और फिर कुरैशी के साथ 26 सितंबर तक बढ़ा दिया गया था।

अमेरिकी संसद सत्र की कार्यवाही अलग ढंग से हुई शुरू,इस बार ईसाई नहीं सिख पादरी ने की प्रार्थना

वाशिंगटन,30 सितम्बर 2023। अमेरिका ने एक और एतिहासिक कदम उठाया है। उसकी संसद सत्र की कार्यवाही की शुरुआत इस बार कुछ अलग तरीके से हुई। न्यूजर्सी के पाइन हिल गुरुद्वारा के ग्रंथी ज्ञानी जसविंदर सिंह ने प्रार्थना करके शुक्रवार को सदन में दिन की कार्यवाही शुरू की। बता दें, इससे पहले प्रार्थना आम तौर पर एक ईसाई पादरी द्वारा की जाती है।

सदन के अध्यक्ष केविन मैकार्थी ने घोषणा की कि जसविंदर सिंह कार्यवाही शुरू करेंगे। सिंह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में प्रार्थना करने वाले पहले सिख पादरी हैं। प्रार्थना के तुरंत बाद सदन में प्रवेश करते हुए सांसद डोनाल्ड नॉरक्रॉस ने इसे ऐतिहासिक अवसर बताया।

उन्होंने कहा, %आज का इतिहास इस बात की याद दिलाता है कि अमेरिका धर्म की स्वतंत्र अभिव्यक्ति का स्वागत करता है और उसके मूल्यों को लेकर प्रतिबद्ध रहेगा। सिंह ने आज जर्सी को गौरवान्वित किया है और उनके साथ इस पल का हिस्सा बनना सम्मान की बात है।'

सिख समन्वय समिति ईस्ट कोस्ट के मीडिया प्रवक्ता हरजिंदर सिंह ने कहा कि अमेरिकी संसद के इतिहास में आज पहली बार सदन का सत्र सिख प्रार्थना के साथ शुरू हुआ। यह सिख समुदाय के लिए, पूरे वैश्विक सिख समुदाय के लिए बहुत खुशी का अवसर है।

उन्होंने कहा, 'हमने इस संदन के सदस्यों के लिए प्रार्थना की जो स्वतंत्र विश्व और यहां के सभी अमेरिकियों की सुरक्षा के लिए काम कर रहे हैं। हम एक जाति के रूप में संपूर्ण मानवता के लिए कामना और प्रार्थना करते हैं।'

मैंने कनाडा के बारे में जो भी कहा वो अमेरिका के लोगों के लिए काफी नया...बोले विदेश मंत्री जयशंकर

वाशिंगटन,30 सितम्बर 2023 । विदेश मंत्री एस जयशंकर फिलहाल अमेरिका पहुंचे हुए हैं। यहां उन्होंने कहा कि वह भारत-कनाडा विवाद पर अमेरिका की प्रतिक्रिया से अवगत हैं। साथ ही दोनों पक्षों ने इस मामले पर एक-दूसरे के विचारों को स्पष्ट किया है।

वाशिंगटन में शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जयशंकर ने कहा, %कनाडा-भारत विवाद पर मैंने सुना कि अमेरिकियों का क्या कहना है। उम्मीद है कि उन्होंने भी सुना होगा कि इस पर मेरा क्या मानना है। मुझे लगता है कि हम दोनों ने अपने-अपने विचार व्यक्त कर दिए हैं। इसलिए मुझे सच में नहीं पता इसके अलावा मैं और क्या कह सकता हूं।'

उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में बड़ा मुद्दा कनाडा में हिंसा और चरमपंथ की घटनाओं के संबंध में सहनशीलता है, जिसे भारत द्वारा उठाया गया है।

उन्होंने कहा, %कोई भी घटना अलग-थलग नहीं होती। हर चीज के लिए एक संदर्भ होता है और कई समस्याएं होती हैं, इसलिए व्यक्तिगत मामलों के मामले में, मुझे लगता है कि संबंधित सरकारों को एक-दूसरे से बात करनी होगी और देखना होगा कि वे इसे कैसे आगे ले जाते हैं। जयशंकर ने कहा, 'बड़ा मुद्दा एक ओर झुकाव या एक विशेष के प्रति सहमति है और इसे ही उठाया गया है।'

उन्होंने कहा कि अगर आप भारत में किसी से कहेंगे कि कनाडा में कुछ लोग हैं, जो हिंसा भड़का रहे हैं, तो उन्हें कोई आश्चर्य नहीं होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि वहां का इतिहास रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि इसे सभी भारतीयों ने नोटिस किया है, जबकि उन्हें यह महसूस हुआ कि अमेरिका में बहुत कम लोगों को यह पता है। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि आज कि बैठक में मैंने जो भी कहा वो अमेरिका के लोगों के लिए काफी नया था।'

जयशंकर ने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि इस मामले पर अमेरिका के पास भारत का भी दृष्टिकोण है, क्योंकि उसके ओटावा और नई दिल्ली दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं।

उन्होंने कहा, %जब अमेरिका कनाडा को देखता है तो उन्हें कुछ दिखता है, जब हम भारत में कनाडा को देखते हैं तो हमें कुछ और दिखाई देता है और यह समस्या का एक हिस्सा है, इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम अमेरिकियों के साथ इस पर बात करें। आखिरकार, वे हमारे अच्छे दोस्त हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि वे इस मामले पर हमारा नजरिया भी जानें।'

उन्होंने आगे कहा, %हमने जो रुख अपनाया है वह उचित है। आखिरी बार कब हमारे किसी मिशन को इस हद तक धमकाया गया था कि वह अपना सामान्य कामकाज जारी नहीं रख सका था? अगर कोई कहता है कि जी7 देश में, राष्ट्रमंडल देश में ऐसा हो सकता है, तो यह आपको सोचने के लिए बहुत कुछ देता है।

खालिस्तानी चरमपंथियों ने भारतीय उच्चायुक्त को गुरुद्वारे में जाने से रोका,वापस भेजा;भारत ने जताई नाराजगी

लंदन,30 सितम्बर 2023। खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों ने भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोर ईस्वामी को स्कॉटलैंड के ग्लासगो शहर में एक गुरुद्वारे में प्रवेश करने से रोक दिया। इसके बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा। वहीं, भारत ने ब्रिटेन के विदेश कार्यालय और पुलिस के समक्ष इस मुद्दे को उठाया है।

घटना शुक्रवार को ग्लासगो के अल्बर्ट ड्राइव पर स्थित गुरुद्वारे के सामने हुई। उच्चायुक्त की यात्रा पूर्व नियोजित थी। सिख यूथ यूके के सदस्यों ने गुरुद्वारा प्रबंधकों के साथ अपनी झड़प के वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए हैं। उनमें से कुछ दोरईस्वामी की कार के पास पहुंचे और उन्हें जाने के लिए कहने लगे।

स्कॉटलैंड पुलिस के प्रवक्ता ने कहा, हमें 29 सितंबर को दोपहर 1.05 बजे बुलाया था। अल्बर्ट इलाके में कुछ गड़बड़ी होने की रिपोर्ट की गई थी। उन्होंने बताया कि किसी के घायल होने की खबर नहीं है और पूरी स्थिति का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो एक सिख व्यक्ति को यह कहते हुए सुना जा सकता है, हमें किसी भी भारतीय राजदूत, भारत सरकार के किसी भी व्यक्ति को, जो वीजा आवेदन करने के कोई भी आधिकारिक हैसियत से आता है, या जो भी हो, हमें इसी तरह स्वागत करना चाहिए।

गुरुद्वारा समिति के अनुरोध पर पहुंचे थे भारतीय उच्चायुक्त

यह घटना स्कॉटलैंड में उच्चायुक्त की दो दिवसीय यात्रा के अंत में हुई, जिसमें स्थानीय राजनीतिक नेताओं, प्रवासी प्रतिनिधियों, व्यापार प्रमुखों और विश्वविद्यालय समूहों के साथ सिलसिलेवार बैठकें और चर्चाएं शामिल थीं। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों के मुताबिक, गुरुद्वारा में बैठक का आयोजन सिख समूहों से मिलने और दूतावास व अन्य मामलों पर उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए किया गया था। गुरुद्वारा समिति के अनुरोध पर भारतीय उच्चायुक्त यहां पहुंचे थे।

शांतिप्रिय सिखों के साथ बातचीत को बाधित करना चाहते थे चरमपंथी

सूत्रों ने कहा कि कुछ बाहरी लोगों और चरमपंथी तत्वों ने यह विवाद इसलिए खड़ा किया ताकि शहर के अधिकांश शांतिप्रिय सिखों के साथ बातचीत और सामुदायिक जुड़ाव को बाधित किया जा सके। स्कॉटलैंड के प्रथम मंत्री हमजा यूसुफ के साथ बैठक के दौरान भारत में आतंकवाद के आरोप में हिरासत में ब्रिटिश सिख जगतार सिंह जोहल का मुद्दा भी उठा।

उच्चायुक्त की गरिमा और सम्मान बनाए रखा जाना चाहिएः रुचि घनश्याम

ब्रिटेन में भारत की उच्चायुक्त रहीं रुचि घनश्याम ने इस मामले को लेकर कहा, मैं अपने उच्चायुक्त के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करना चाहती हूं। ऐसा नहीं होना चाहिए था और उच्चायुक्त की गरिमा और सम्मान बनाए रखा जाना चाहिए था। मेरा मानना है कि स्कॉटलैंड के अधिकारियों को उनकी यात्रा के लिए उचित सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए थी।

उन्होंने कहा, मैंने जो रिपोर्ट पढ़ी है, उससे ऐसा प्रतीत होता है कि यह कुछ गुमराह लोगों का एक समूह था। ऐसा लगता है कि गुरुद्वारा समिति ने उच्चायुक्त को आमंत्रित किया था... कुछ लोग वहां आए और कार्यक्रम को बाधित किया। मैं कहूंगी कि हमारे उच्चायुक्त को प्रयास जारी रखने चाहिए। ब्रिटेन के साथ मेरा अपना अनुभव यह है कि ब्रिटेन में सिख समुदाय का बड़ा हिस्सा कानून का पालन करने वाले, मेहनती लोगों से बना है। वे सभी के साथ अच्छे संबंध रखना चाहते हैं। सिर्फ कुछ लोग जो परेशानी पैदा करते हैं, उन्हें हमारे लिए हतोत्साहित होने का कारण नहीं बनना चाहिए।

खालिस्तान समर्थकों के चलते भारत-कनाडा में तनाव जारी

यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब ब्रिटेन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हाल ही में अपनी संसद में भारत पर अपमानजनक आरोप लगाए हैं। ट्रूडो ने भारत सरकार पर खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया और कहा कि उनके पास विश्वसनीय आरोप हैं। वहीं भारत ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे बेतुका और (राजनीति से) प्रेरित बताया। इसके साथ ही दोनों देश एक दूसरे के एक-एक शीर्ष राजनयिकों को निष्कासित कर चुके हैं।

अलास्का में भारतीय-अमेरिकी सैनिकों ने किया संयुक्त अभ्यास,एक-दूसरे की ताकत से सीखना उद्देश्य

अलास्का,30 सितम्बर 2023 । भारत और अमेरिकी सेनाओं ने युद्ध अभ्यास के हिस्से के रूप में अलास्का में एक संयुक्त अभ्यास किया। भारतीय सेना के अधिकारियों ने जानकारी दी कि दोनों सेनाओं ने शुक्रवार को अलास्का में फील्ड ट्रेनिंग अभ्यास किया। इस अभ्यास में दोनों सेनाओं की ताकत को बढ़ाना और उनके रिश्ते को मजबूत करना है। यह अभ्यास 25 सितंबर से 8 अक्टूबर तक होगा।

सोमवार को दी थी जानकारी

बता दें, भारतीय सेना अभ्यास में भाग लेने के लिए हाल ही में अलास्का पहुंची। इससे पहले सोमवार को भारतीय सेना के जनसूचना के अतिरिक्त महानिदेशालय ने एक्स पर जानकारी दी थी कि सेना की टुकड़ियां युद्ध अभ्यास में भाग लेने के लिए दिल्ली से रवाना हो गई हैं। रवाना होने से पहले महानिदेशक ने जवानों के दल से बातचीत की और उनको प्रोत्साहित किया था।

सालाना युद्धाभ्यास का यह 19 वां संस्करण

दोनों के बीच सालाना युद्धाभ्यास का यह 19वां संस्करण है। पिछले संस्करण का आयोजन बीते वर्ष नवंबर में उत्तराखंड के औली में हुआ था। इस बार इसमें शामिल होने के लिए भारतीय सेना के 350 सैनिकों का दल अलास्का के फोर्ट वेनराइट पहुंच चुका है। मराठा लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंट इस अभ्यास में भारत की नेतृत्वकर्ता बटालियन होगी। वहीं, अमेरिका की ओर से फर्स्ट ब्रिगेड कॉम्बेट टीम की 1-24 इन्फेंट्री बटालियन शामिल होगी। युद्धाभ्यास की थीम 'पर्वत व चरम मौसम के हालात में संयुक्त सैनिक समूह की तैनाती' रखी गई।

एक-दूसरे की श्रेष्ठ पद्धतियां सीखेंगे

सैन्य ड्रिल की श्रेष्ठ पद्धतियों और दृष्टिकोण को एक-दूसरे के सामने रखा जाएगा। सैन्य कौशल, युद्ध से जुड़ी इंजीनियरिंग, लड़ाकू कार्रवाइयों के दौरान बाधाएं हटाने और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से युद्ध के तौर तरीके भी आपस में साझा होंगे।

साझी कार्रवाई का अभ्यास दोनों पक्ष टैक्टिकल ड्रिल की शृंखला का अभ्यास करेंगे। यह संयुक्त राष्ट्र शांति सेना की कार्रवाइयों में दोनों को साथ तैनात करने में मदद करेगा।

अकादमिक चर्चाएं अभ्यास के बाद चुने हुए विषयों पर अकादमी चर्चाएं होंगी। अपने अनुभवों और श्रेष्ठ कार्य पद्धतियों के बारे में भी आपस में विस्तृत बातचीत होगी।

अभ्यास का फायदा

भारतीय सेना के अनुसार, यह जमीनी युद्धाभ्यास दुश्मन सेना के सामने ब्रिगेड स्तर पर एक मिली-जुली सेना का प्रदर्शन जांचने में मदद करेगा।

ब्रिगेड व बटालियन स्तर पर संयुक्त निगरानी प्रणाली की जांच हो सकेगी।

हेलिकॉप्टर या विमानों से सैन्य कार्रवाईयों में सैनिक उतारने व सैन्य ताकत बढ़ाने की क्षमताएं परखी जाएंगी।

ऊंचे स्थलों और चरम मौसम के हालात में सैन्य कार्रवाई के दौरान रसद सामग्री की जरूरतों, हताहत सैनिकों के लिए प्रबंधन, बचाव अभियानों, युद्ध के समय चिकित्सा सहायता पहुंचाने व अन्य पहलुओं का भी परीक्षण होगा।

दोनों देशों की सेनाएं एक-दूसरे से कई चीजों सीखेंगी, यह आपसी संबंध को और मजबूत करेगा।

वेस्ट बैंक में इजरायली सैनिकों को गोलीबारी में एक फिलिस्तीनी की मौत

रामल्ला ,30 सितंबर 2023। इजरायली सेना ने वेस्ट बैंक के अल-बिरेह में एक फिलिस्तीनी व्यक्ति की हत्या कर दी। यह जानकारी फिलिस्तीनी चिकित्सा और सुरक्षा सूत्रों ने दी। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, इजरायली सेना की ओर से की गयी गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल मोहम्मद जिब्रील रमाना की मौत हो गई। मंत्रालय के मुताबिक इस घटना में एक अन्य व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि इजरायली सेना ने वेस्ट बैंक के शहर अल-बिरेह में पसगोट बस्ती के प्रवेश द्वार पर दो युवकों पर गोलियां चलाई।

इज़रायली सेना के प्रवक्ता अविचाई अद्रई ने कहा कि इज़रायली बलों ने उन फ़िलिस्तीनियों पर गोलियां चलाई जिन्होंने पसगोट समुदाय से सटे एक सैन्य चौकी की ओर मोलोटोव कॉकटेल फेंके थे। उन्होंने कहा, घटनास्थल पर नियमित निगरानी कर रहे सैनिकों ने संदिग्धों की पहचान की और जवाबी कार्रवाई की। दो हमलावरों को मार गिराया गया और चिकित्सा उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में इजरायली सैनिकों के हताहत होने की सूचना नहीं है।

विधायक पहुंचे अपने विधानसभा क्षेत्र लगाई चौपाल समस्याओ का किया निराकरण

- संवाददाता -
लखनपुर,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

लुंड्रा बिधानसभा क्षेत्र लखनपुर के ग्राम रेम्हला, लब्जी, जामा एवं कोटबर्रा में विधायक प्रितम राम ने जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों से भेंट मुलाकात एवं जनसम्पर्क कर उनकी शिकायतों व समस्याओं का तत्काल निराकरण किया साथ ही अन्य समस्याओं के लिए तत्काल संबंधित विभाग के अधिकारियों को दूरभाष के माध्यम से तत्काल निर्देशित किया।

उक्त कार्यक्रम में लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कृपा शंकर गुप्ता , वरिष्ठ कांग्रेसी नेता नरेंद्र पाण्डेय , गप्पू खान , क्षेत्रीय सरपंच, सचिव, जनप्रतिनिधि, कांग्रेस कार्यकर्ता व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मेरी माटी-मेरा देश...कार्यक्रम के तहत् चट्टीडांड़ स्कूल के बच्चों ने निकाला तिरंगा रैली

चट्टीडांड़ गांव के सभी घरों से अमृत कलश में एक-एक मुट्ठी मिट्टी की गई संकलित

- संवाददाता -
सूरजपुर,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

आजादी के अमृत महोत्सव की निरंतरता में भारत सरकार ने ÷मेरी माटी मेरा देश÷ अभियान का शुभारम्भ किया है। मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 जुलाई 2023 को मन की बात में की थी । इस अभियान का उद्देश्य उन बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों का सम्मान करना है, जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। इस अभियान के तहत् देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा सूरजपुर के निर्देशानुसार शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ स्कूल के बच्चों ने प्रधान पाठक गौतम शर्मा और शिक्षिका विनिता सिंह के नेतृत्व में शनिवार को मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत् अमृत कलश लेकर तिरंगा रैली के साथ प्रभात फेरी निकाली। प्रधान पाठक गौतम शर्मा और शिक्षिका विनिता सिंह के द्वारा तिरंगा रैली के माध्यम से ग्रामीणों को आजादी के लिए शहीद हुए वीर स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए सभी के घरों से अमृत कलश में एक - एक मुट्ठी मिट्टी संकलित की गई। रैली में बच्चों ने अपने हाथों में शहीद वीरों और स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र लेकर भारत माता की जय, वंदे मातरम्, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर रहे के जमकर नारे लगाए । इन गगनभेदी नारों से पूरा गांव देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो गया। इस कार्यक्रम में बच्चों और शिक्षकों के साथ सभी ग्रामीणों ने भी बड़े उत्साह के साथ बढ़ - चढ़कर हिस्सा लिया।

क्या सीटी स्कैन मशीन खरीदी मामले में थी गड़बड़ी

फिर भी उद्घाटन कर बताया जा रहा बड़ी उपलब्धि ?

क्या सिटी स्कैन मशीन भी सोनोग्राफी मशीन की तरह खाने वाली है धूल डस्ट ?

कोरिया जिले में स्वास्थ्य विभाग के लिए सिर्फ खरीदी थी जरूरी बाकि सुविधाएं क्रियान्वित हो लोगों को लाभ मिले इससे उन्हे कोई लेना देना नहीं

पूरे 5 साल में एक भी टेंडर नहीं,बिना टेंडर की हुई मशीनों व दवाईयों की खरीदी

पड़ोसी जिला सूरजपुर में टेंडर के साथ होती है खरीदी पर वहीं कोरिया जिले में बिना टेंडर के क्यों होती है खरीदी ?

प्रशासन मशीन के संबंध में सही जानकारी देने के बजाय खबरों को गलत बात कार्यवाही करने की दे रही चेतावनी

फाईल:फोटो

फाईल:फोटो

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया जिला इस समय स्वास्थ्य विभाग को लेकर पड़ा सुर्खियों में और हो भी तो क्यों ना क्योंकि स्वास्थ्य विभाग में जितना भ्रष्टाचार पनप रहा है उतना भ्रष्टाचार और कहीं नहीं, खासकर दवाई से लेकर अन्य सुविधाओं के समान तक खरीदी में जमकर भ्रष्टाचार देखा जा रहा है, एक बार फिर भ्रष्टाचार की बात इसलिए सामने आ रही है क्योंकि जिस सीटी स्कैन मशीन के खरीदी में गड़बड़ी होने की बात आ रही थी, जिसकी शिकायत भी हुई थी उसके बावजूद आनन फानन में उसका उद्घाटन हो गया, अब सवाल यह उठता है कि जिस खरीदी की जांच होनी थी और जांच के उपरांत इसका उद्घाटन हो सकता था आखिर ऐसी कौन सी हड़बड़ी थी कि बिना जांच के ही उपलब्धि गिनवाने के लिए उद्घाटन कर दिया गया? सुविधा बढ़ाना अच्छी बात है पर सुविधाओं के आड़ में भ्रष्टाचार करना यह एक अपराध है, जिला अस्पताल में सुविधा तो पड़ रही हैं पर उसे सुविधाओं का लोगों को लाभ मिलना कठिन है इससे पहले भी सोनोग्राफी मशीन आकर पड़ी है जिसका लाभ पूरी तरीके से मिल नहीं पा रहा वही एक बार फिर से यह मशीन सीटी स्कैन की आ गई है अब इसका लाभ भी कब मिलेगा यह एक बड़ा प्रश्न रहेगा। सीटी स्कैन मशीन के उद्घाटन की खबर जनसंपर्क कार्यालय ने दो दिन बाद की जारी किया और जारी करने के दौरान मशीन खरीदी से संबंधित मामले में बिना कुछ कहे मशीन से जुड़े लाभ को गिनवाते हुए लोगों को जानकारी दी, पर मशीन खरीदी में जो कमियां थी उसे पर कुछ भी बोलने से बचते नजर आए, ऐसे में प्रशासन भी एक बार फिर सवालों के घेरे में, आखिर सीटी स्कैन मशीन की खरीदी को लेकर शिकायतकर्ता को संतुष्ट क्यों नहीं कर पा रहे? ऊपर से कमी बताने वाले को चेतावनी दे रहे है की भ्रामक खबर से सावधान रहे हो सकती है बड़ी कार्यवाही।

जिला अस्पताल बैकुंठपुर मे सीटी स्कैन मशीन का शुभारंभ हो गया, शुभारंभ बैकुंठपुर विधायक अम्बिका सिंहदेव ने किया। सोशल मीडिया में पोस्ट कर बताया जा रहा है कि वर्षो पुरानी मांग पूरी हुई। और यह सही भी है। पर सुविधाओं की आड़ के बेतहाशा कीमत पर मशीन खरीदी पर सवाल खड़े हो रहे है? यह सही है कि जिला बनने के बाद से कोरिया जिला अस्पताल में सुविधाओं का टोटा रहा है, हम भी जिम्मेदारी से इस बात के साथ सरकार के साथ है कि चिकित्सा के क्षेत्र में सुविधाओं को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। पर सुविधाओं के नाम पर स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्टाचार को छुपाया नही जा सकता, बीते अक्टूबर माह से इस विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर है। तमाम खरीदी की शिकायत के बाद जांच शून्य है जबकि सीटी स्कैन मशीन की स्थापना के लिए कई बार मुख्यमंत्री से लेकर प्रशासन से सवाल जवाब भी किया गया। तब जाकर एसईसीएल की सीएसआर मद से मशीन की खरीदी की गई है।

भ्रामक खबर पर कड़ी कार्यवाही जिला प्रशासन के माध्यम से की जाएगी मिली चेतावनी

बैकुण्ठपुर में 100 बिस्तर जिला चिकित्सालय भवन में कोरिया जिला सहित आसपास के जिले सूरजपुर एवं कोरबा के मरीजों को भी काफी राहत मिली है। पहले रेडियोलॉजी विभाग में जांच हेतु केवल डिजिटल एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध थी। सड़क दुर्घटना एवं अन्य जटिल बीमारियों में सीटी स्कैन हेतु जरूरतमंद एवं गरीब मरीजों को निजी डायग्नोस्टिक सेंटर या अन्य शहर जाना पड़ता था। निजी संस्थानों में शुल्क काफी अधिक होने के कारण आर्थिक नुकसान का भी सामना करना पड़ता था, वहीं बाहर जाने से समय काफी लगता था। जिला अस्पताल में स्थापित सीटी स्कैन की गुणवत्ता को लेकर कुछ लोगों द्वारा भ्रामक प्रचार व अफवाह फैलाया जा रहा है। मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा है कि ऐसे भ्रामक खबर पर कड़ी कार्यवाही जिला प्रशासन के माध्यम से की जाएगी। आम लोगों से अपील करते हुए कहा है कि सीटी स्कैन लग जाने से निजी संस्थान व बाहर शहर में जांच कराने के बजाय जिला अस्पताल आकर न्यूनतम दर पर प्रशिक्षित कर्मियों से ही जांच कराएं। सीटी स्कैन के शुभारंभ उपरांत अब तक चार मरीजों ने सीटी स्कैन से जांच कराए हैं। जिला प्रशासन के सकारात्मक पहल व त्वरित गति से की गई कार्यवाही से बैकुण्ठपुर में सीटी स्कैन जांच की सुविधा आम लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

सीटी स्कैन के संचालन हेतु दो रेडियोग्राफर का प्रशिक्षण मेडिकल कॉलेज एवं डी.के.एस. सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल रायपुर में कराया गया है...

खबर के बाद आई सफाई कहा उक्त सीटी स्कैन के संचालन हेतु दो रेडियोग्राफर का प्रशिक्षण मेडिकल कॉलेज एवं डी.के.एस. सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल रायपुर में कराया गया है। सीटी स्कैन का रिपोर्टिंग रेडियोलॉजिस्ट के द्वारा टेली रेडियोलॉजी के माध्यम से कराया जा रहा है। स्थापित सीटी स्कैन मशीन के साथ तीन वर्ष का वॉरंटी के अतिरिक्त तीन साल का सी.एम.सी. की सुविधा भी है,जिससे मशीन में यदि कोई भी तकनीकी दिक्कत आने से तत्काल समय-सीमा में उपकरण सहित सुधार कार्य कराया जा सके। विदित हो कि जिला चिकित्सालय बैकुण्ठपुर में स्थापित सीटी स्कैन मशीन भारत सरकार परमाणु ऊर्जा नियामक परिसर विकिरण संरक्षा प्रभाग (एटॉमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड, रेडियोलॉजिकल सेफ्टी डिवीजन) से अनुमोदित है। विगत वर्षो से देश के विभिन्न शहरों में यह सीटी स्कैन मशीन स्थापित किया गया है। सीटी स्कैन मशीन के स्थापना के संबंध में वर्क स्टेशन, आवश्यक मानव संसाधन, अधोसंरचना एवं अन्य आवश्यक कार्यवाही स्वास्थ्य विभाग द्वारा समानांतर रूप से किया गया। लोक निर्माण विभाग (भ / स) के द्वारा अधोसंरचना एवं लोक निर्माण विभाग (वि.यां.) के द्वारा विद्युत कार्य समय पर पूर्ण किया गया है। उक्त अधोसंरचना एवं विद्युत कार्य पूर्ण होने पर विगत दिनों इसका विधिवत प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शुभारम्भ किया है।

बैकुण्ठपुर में सी.टी.स्कैन की सुविधा से जरूरतमंद हो रहे लाभान्वित

विगत पौने पांच बरस में राज्य सरकार स्वास्थ्य अधोसरंचना के विकास पर जोर दिया है तो गांव व आदिवासी सुदूर अंचल में रहने वाले लोगों को रियायती व निशुल्क जांच, इलाज की सुविधा भी मुहैया कराने में कोई कसर नहीं छोड़े हैं। इसी कड़ी में जिला चिकित्सालय बैकुण्ठपुर में सी.टी. स्कैन की सुविधा मिलने से स्थानीय व आसपास के मरीजों को काफी लाभ मिलने लगा है। स्थानीय लोगों द्वारा जिला अस्पताल में सीटी स्कैन की सुविधा के लिए लगातार मांग की जा रही थी। जिला प्रशासन ने आम लोगों की जरूरत और भावनाओं के ध्यान रखते हुए तत्काल यह सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। बता दें सीटी स्कैन मशीन के सूचारू एवं सफल संचालन के लिए पॉवर बैकअप अंतर्गत डीजी सेट (जैनरेटर) की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। साउथ ईस्टर्न कोल फिल्डस लिमिटेड (एस.ई.सी.एल.) के द्वारा सी.एस.आर. मद से जिला चिकित्सालय, बैकुण्ठपुर में सीटी स्कैन मशीन की अनुपलब्धता के कारण गंभीर बीमारियों के आकलन में कठिनाई की आवश्यकता के आधार पर 64 स्लाईस सीटी स्कैन मशीन की स्थापना हेतु जून 2021 में 3 करोड़ 59 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई थी। एस.ई.सी.एल. बिलासपुर द्वारा जिला चिकित्सालय बैकुण्ठपुर में सी.एस.आर मद के तहत सीटी स्कैन मशीन स्थापित करने हेतु नियम एवं शर्तो के अनुरूप क्रय समिति का गठन किया गया था। क्रय समिति के तकनीकी सदस्यों के अनुमोदन उपरांत छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉपोरेशन लिमिटेड से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त होने के उपरांत छत्तीसगढ़ राज्य भण्डार क्रय नियम 2002 (यथा संशोधित 2022) नियमों का पालन करते हुए जेम के माध्यम से उपकरण क्रय करने की प्रक्रिया पूर्ण की गई थी।

सीधे स्वास्थ्य विभाग ने खरीदी मशीन

बताया जा रहा है कि इस मशीन को स्वास्थ्य विभाग ने सीधा खरीदा है, जबकि स्वास्थ्य विभाग में हर तरह के निर्माण से लेकर दवाइयां, उपकरण की खरीदी का अधिकार, सीजीएमएससी को है, खरीदने के पूर्व सीजीएमएससी से लागत लेना है नही है तो अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना है, तभी खरीदी की जा सकती है। विभाग ने केंद्र सरकार की जेम वेबसाइट से इस मशीन की खरीदी की है जबकि इस पर चार गुना कीमत होने के आरोप लगते रहे है।

ब्रांडेड मशीन 64 स्लाइस की 1 करोड़ 70 लाख तक

सीटी स्कैन मशीन की कीमत के लिए बाजार खुला हुआ है आज कोई भी गूगल पर जाकर मशीन की कीमत जान सकता है, दुनिया भर में जाने जानी वाली ब्रांडेड कंपनी सेमेंस की मशीन 64 स्लाइस वाली 1 करोड़ 30 लाख की आ रही है। तोशिबा की मशीन 1 करोड़ 70 लाख की आ रही है, इंडिया मार्ट के साथ सैकड़ो साइट है जिस पर मशीन की कीमत आसानी से देखी जा सकती है।

पड़ोस के जिला खरीद रहा है सीजीएमएससी से

नियम अनुसार उपकरण / मशीन की खरीदी के लिए सीजीएमएससी अधिकृत है ऐसे के पड़ोस के जिला सुरजपुर को भी सीएसआर को राशि से सीटी स्कैन मशीन खरीदी करना है, उनके द्वारा सीजीएमएससी से ही इस मशीन की खरीदी की जा रही है। अब सवाल ये खड़ा हो रहा है कि आखिर इतनी ज्यादा कीमत की मशीन को खरीदने के पहले जो एक आम आदमी करता है गूगल पर कीमत सर्च करना, क्या कीमत को सर्च नही गया होगा? क्या जानबूझकर एक ही डीलर से सब कुछ खरीदी की गई है?

यूनाइटेड इमेजिन की मशीन खरीदी...स्वास्थ्य विभाग ने यूनाइटेड इमेजिन की यूसीटी 528 मॉडल की मशीन खरीदी है और वो भी 3 करोड़ 59 लाख की। इस कंपनी ने अपनी साइट पर किसी भी मशीन की कीमत नही बताई है। चाइना की इस कंपनी को कई बार कीमत की जानकारी भी मांगी गई पर कीमत कंपनी ने शेयर नही की...इसका साफ मतलब है कि मशीन सिर्फ अपने डीलर को ही कीमत बताती होगी।

3 करोड़ 59 लाख की मशीन- स्वास्थ्य विभाग ने जनसंपर्क के माध्यम से जानकारी जारी करते हुए बताया था कि सीटी स्कैन मशीन 3 करोड़ 59 लाख की कीमत की है और ये 64 स्लाइस की है। परंतु ये किस कंपनी की कौन सी मशीन है इसकी जानकारी नही दी गई थी। बताया जा रहा है कि मशीन चाइना की है।

अ.भा.पत्रकार सुरक्षा समिति की प्रदेश स्तरीय बैठक 2 अक्टूबर राजधानी रायपुर में:गोविन्द शर्मा

पत्रकार सुरक्षा कानून को लेकर परिचर्चा के साथ संगठन विस्तार की रूपरेखा

प्रदेश में पत्रकारों पर बिना जांच एफआईआर का विरोध एवम राजधानी में आंदोलन पर चर्चा

-संवाददाता-
रायपुर/अम्बिकापुर,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ ही नही देश का सबसे बड़ा पत्रकार संगठन अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति की छत्तीसगढ़ इकाई की एक दिवसीय बैठक राजधानी रायपुर में 2 अक्टूबर को सम्पन्न होने जा रही है। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बना जिसने पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किया लेकिन अभी तक ये कानून मूर्त रूप नही ले पाया हैं आज भी राज्यपाल के पास सहमति के लिए गया हुआ हैं और न जाने कब तक राज्यपाल उसे अपने पास रखेंगे कुछ कहा नहीं जा सकता है लेकिन पत्रकारों को एक जुटता दिखानी पड़ेगा जब कही जाकर इस कानून को पूर्ण रूप से लागू करा पाएंगे। छत्तीसगढ़ की सरकार ने जो पत्रकार सुरक्षा कानून बनाया हैं उसमे भी अभी बहुत कुछ जोड़ने की आवश्यकता है इसके बिना इस कानून का ओचित्य नही रहेगा ,जिसके विषय में संगठन ने 2 अक्टूबर को एक प्रदेश स्तरीय बैठक रखी जिसमे प्रदेश के पत्रकार पदाधिकारी इस चर्चा में शामिल होंगे इसके अलावा संगठन के विस्तार को लेकर भी पदाधिकारी अपनी अपनी बाते रखेंगे जिससे छत्तीसगढ़ में संगठन और मजबूत बन सके।

बिहारी लाल साहू ने विश्वविद्यालय को किया गौरवान्वित

रासेयो राज्य स्तरीय श्रेष्ठ स्वयंसेवक पुरस्कार से हुए सम्मानित

-संवाददाता-
कोरिया,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

छ.ग. शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के 55 वें स्थापना दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कृषक सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस एवं राज्य स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें कोरिया जिले के शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुंठपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक बिहारी लाल साहू को राज्य स्तरीय श्रेष्ठ स्वयंसेवक पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया।

पुरस्कार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ज्ञानेश शर्मा अध्यक्ष योग आयोग छ.ग., अध्यक्ष डॉ. गिरीश चंदेल कुलपति इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर, विशिष्ठ अतिथि सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी सचिव उच्च शिक्षा विभाग छ.ग. शासन, डॉ. अशोक कुमार श्रोती उप कार्यक्रम सलाहकार भारत सरकार, डॉ. नीता बाजपेयी राज्य रासेयो अधिकारी एवं डॉ. आर.एस. कुरील उद्यानिकी विश्वविद्यालय के करकमलों से प्रदान किया गया। स्वयंसेवक बिहारी लाल साहू को पुरस्कार के अंतर्गत दस हजार रुपए का चेक एवं श्रेष्ठ स्वयंसेवक का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर सम्मान समारोह में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा अंबिकापुर की ओर से कार्यक्रम समन्वयक डॉ. एस.एन. पाण्डेय एवं जिला संगठक कोरिया एवं एमसीबी प्रो. एम.सी. हिमधर उपस्थित रहे।

जिला संगठक प्रो. एम.सी. हिमधर ने बताया कि बिहारी लाल साहू को यह पुरस्कार वर्ष 2019 में डिजिटल मीडिया वर्कशॉप, 2021 में राज्य स्तरीय योगा फेस्ट शिविर एवं राज्य स्तरीय चिंतन शिविर, 2023 में युवा संगम एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम नागालैंड में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व तथा महाविद्यालय स्तर स्तर पर सक्रिय स्वयंसेवक का नेतृत्व करने के लिए प्रदान किया गया। स्वयंसेवक बिहारी लाल साहू को पूर्व में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय अंबिकापुर से विश्वविद्यालय स्तरीय उत्कृष्ट स्वयंसेवक पुरस्कार, जिला स्तरीय उत्कृष्ट स्वयंसेवक के पुरस्कार एवं पटना तथा बैकुंठपुर महाविद्यालय से श्रेष्ठ स्वयंसेवक के पुरस्कार, कोरिया कलेक्टर द्वारा कोरोना वॉरियर्स एवं अनेक संगठनों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। स्वयंसेवक के इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. अशोक सिंह, कुलसचिव विनोद एक्का, कार्यक्रम समन्वयक डॉ0 एस0 एन0 पाण्डेय, जिला संगठक प्रो. एम.सी. हिमधर, कार्यक्रम अधिकारी प्रो. अनुरंजन कुजूर, डॉ. प्रीति गुप्ता, प्रो0 शिव शंकर राजवाड़े एवं डॉ. बरखा सिंह सहित महाविद्यालय स्टाफ एवं कोरिया जिले के वरिष्ठ स्वयंसेवकों ने राज्य स्तर पर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित करने के लिए शुभकामनाएं दी है। बिहारी लाल साहू ने अपने पिता लक्ष्मण साहू, माता कदम कुवंर साहू एवं पूर्व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनिल सिन्हा, जिला संगठक प्रो. एम.सी. हिमधर को अपने इस उपलब्धि का श्रेय दिया है।

CMYK

डॉक्टर की लापरवाही से हुई ममता पाण्डेय की मौत

परिजनों ने अस्पताल परिसर में प्रारम्भ किया धरना प्रदर्शन

एसडीएम व एसडीओपी ने परिजनों को मनाने का किया प्रयास

कब की मर चुकी? आत्माओं को आज खुद के लिए वो आवाज़ें चाहिए जो अनगिनत मौकों पर कह-कह कर थक चुकी हैं...कि कुछ बोलो...वरना वो एक दिन आएगा जब तुम्हारे लिए आवाज़ उठाने वाला कोई नहीं बचेगा...जब खुद की लगाई आग एक दिन तुम्हारा ही घर जलाएगी...जब तुम्हारी ये अनैतिक चुप्पी एक दिन खूब शोर मचाएगी...फिर भी कुछ न हो सके तो हम जैसे पत्रकार साथियों को जमकर गरियाइए...क्योंकि हम.! सत्ता के मरकज में बैठे जमातियों को आईना दिखाने की कोशिश जो कर रहे हैं।

-अरविन्द द्विवेदी-

अनूपपुर,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

नगर की जनता संघर्ष करने की आदी नही है क्योंकि उसे तो सब कुछ बिना मांगे ही चाहिए। तभी तो अब उसे हर ओर निराशा हीं हाथ लग रही है। जिसका एक और प्रमाण जिला अस्पताल अनूपपुर में डॉक्टर की लापरवाही ने फिर एक ममता की जान ले ली है। ममता पांडेय की मौत हाई ब्लड प्रेशर की तकलीफ में हुई थी क्योंकि जिला अस्पताल में 4 घण्टे तक किसी डॉक्टर ने इलाज नही किया। परिजन ड्यूटी डॉक्टर से गुहार लगाते रहे पर डॉक्टर गणेश प्रजापति ने एक नहीं सुनी। उस पर तुक्रा ये कि मैं नहीं हूं ड्यूटी डॉक्टर, प्रबंधन से पूछिए कौन देखेगा। साथ ही प्रबंधन के मुखिया अवधिया इनसे आगे ही रहे, उन्होंने तो परिजनों से ही कह दिया अब नौकरी करना मुस्किल है।

पुलिस ने मर्ग कायम कर, विवेचना की प्रारंभ

डॉक्टर की लापरवाही व सही समय पर पर्याप्त इलाज न मिलने के कारण महिला की मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों ने डॉक्टर द्वारा इलाज न करने पर कार्यवाही को लेकर हंगामा जारी रहा। शनिवार की सुबह पांच डॉक्टर की टीम ने पोस्टमार्डम किया। परिजन इसके बाद डॉक्टर पर कार्यवाही को लेकर अड़े रहे और कहा कि जब तक डॉक्टर पर कार्रवाही नहीं होती वह अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। जिस पर सीएमएचओ ने लापरवाह डॉक्टर से स्पष्टीकरण मांगते हुए पांच सदस्यीय टीम बनाकर जांच के बाद कार्रवाई की बात कही। वहीं पुलिस ने मर्ग कायम कर दिया विवेचना प्रारंभ कर दी है।

समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण हुई मौत

जिला मुख्यालय अनूपपुर वार्ड 12 अमरकंटक रोड निवासी जितेंद्र पांडेय की पत्नी ममता (45) की हाई ब्लड प्रेशर व अचानक तबीयत खराब होने पर शुक्रवार की दोपहर 3 बजे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर की लापरवाही व सही इलाज न मिलने के कारण शाम 7 बजे मौत हो गई। इस दौरान एक भी डॉक्टर मरीज को देखने नहीं आए। जबकि परिजन बार-बार इलाज के लिए गुहार लगाते रहें। शनिवार की सुबह पोस्टमार्डम के बाद परिजनों ने डॉक्टर पर कार्यवाही के बिना शव उठाने को मना कर दिया। जिस पर पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया और डॉक्टर के खिलाफ पांच सदस्यीय टीम बनाकर जांच के बाद कार्रवाई के अश्वासन पर शव को अंतिम संस्कार के लिए उठाया। वहीं सीएमएचओ ने डॉक्टर गणेश प्रजापति को तत्काल प्रभाव से जिला चिकित्सालय अनूपपुर की ड्यूटी से हटा दिया गया।

आखिर किन लोगों के हाथों में जनता की जान

अब आप ही विचार करें अनुपपुर किन लोगों के हाथो में है व कितना सुरक्षित है.? क्या ऐसे डॉक्टरों के हाथ अनूपपुर की जनता की जान से खिलवाड़ करने के लिए सौपा जा सकता है या इन डॉक्टरों पर कार्रवाई होनी चाहिए.? वही परिजन एफआईआर के लिए अड़े हुए हैं जिले की मीडिया लगातार स्वास्थ्य विभाग की कमियां उजागर करती रहती है उसके बाबजूद भी प्रशासन के कानो तक पत्रकारों की आवाज़ नही पहुंच रही है न जाने आज तक कितनी ममता स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही का शिकार हो चुकी है पर गलती सिर्फ विभाग की नही है उनसे ज्यादा गलती तो अनुपपुर की जनता की है जो हर बार खामोश रह जाती है और सिर्फ मोमबत्ती जलाने को ही अपना फर्ज मानती आई है

क्यों स्वास्थ विभाग को बचा रहा जिला प्रशासन

सवाल उठना स्वाभाविक है की अनूपपुर जिला प्रशासन स्वास्थ विभाग को बचाने का प्रयास क्यो कर रहा है और जानबूझकर जांच नहीं कर रहा.? लेकिन यह सवाल स्थानीय प्रशासन के बजाय भोपाल दिल्ली में बैठे सत्ताधीशों से पूछने की जरूरत ज्यादा है। क्योंकि भ्रष्टाचार व लापरवाही दिल्ली भोपाल से होते हुए अनूपपुर पहुंच रही है। ऐसे में मुंह ताकने के सिवा सीधा सवाल करें और जब प्रशासन मौन धारण कर ले तो फिर रोइए अपनी बेबसी को। जब और बेजार हो जाएं तो भी जांच व कार्यवाही की बात मत कीजिए, सवाल मत उठाइए। पीटिए थाली, निकालिए जुलूस, जलाइए मोमबत्ती, कीजिए आतिशबाजी, मनाइए जश्न जिम्मेदारों की अदूरदर्शिता निकम्मेपन, संवेदनहीनता और नकारेपन का।

शिकायत कर दो...मेरा कुछ नही होने वाला...

जानकारी के अनुसार शुक्रवार की दोपहर 3 बजे अनूपपुर निवासी जितेंद्र पांडेय की पत्नी 45 वर्षीय ममता की अचानक तबीयत खराब होने पर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जिसके बाद डॉक्टर की तलास प्रारंभ की गई। शाम 4 बजे से मरीज की तबीयत ज्यादा खराब होने पर ड्यूटी डॉक्टर को मरीज को देखने के लिए परिजनों ने मिन्नत की तो ड्यूटी डॉक्टर ने यह कहकर परिजनों को भगा दिया कि मेरी ड्यूटी नीचे है, ऊपर जाकर मरीज को नहीं देखूंगा। मैनेजमेंट से जाकर बात करो, जहां शिकायत करना हो कर दो मेरा कुछ नही होने वाला है।

विकास कार्यों से प्रेरित होकर वार्ड क्रमांक 14 एवं सलून इकाई बालको के लोगों ने ली कांग्रेस की सदस्यता

-संवाददाता-

कोरबा,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

राजस्व मंत्री एवं कोरबा विधायक जयसिंह अग्रवाल के कार्यो एवं जिले के विकास से प्रेरित होकर सेलून ईकाई बालको के सदस्यों ने कांग्रेस पार्टी पर विश्वास जताते हुए 54 सदस्यों ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान सभी सदस्यों ने महापौर राजकिशोर प्रसाद की मौजूदगी में सदस्यता ली। बालको सेलून ईकाई के सदस्यों में मदन श्रीवास, सुशील श्रीवास, विजय श्रीवास, भानु प्रताप श्रीवास, नंदू लाल श्रीवास, शिव नंदन, राजू श्रीवास, नारायण श्रीवास, दादूराम श्रीवास, टिकेश्वर श्रीवास, विनोद श्रीवास, गोपाल सेन, दुर्गा श्रीवास, गोरेलाल श्रीवास, अवधेश श्रीवास, गणेश ठाकुर, रामगोपाल, मैकूराम सेन, विजय श्रीवास, सूरज श्रीवास, रवि, दीपक सेन, अनील, अशोक सेन, दयाशंकर श्रीवास, दीपक श्रीवास, वेदप्रकाश, बबलू सेन, विरेन्द्र, भगत श्रीवास, सत्येन्द्र श्रीवास, एन शेखर श्रीवास, सुभाष शर्मा, श्याम श्रीवास, उमेश श्रीवास, ऋषदि श्रीवास, अवीनाश श्रीवास, रामकुमार श्रीवास, अमरनाथ ठाकुर, सुरेन्द्र ठाकुर, सुनील श्रीवास, एन देवा श्रीवास, बबलू सेन, प्रयाग श्रीवास, चिरन्जीवी, टी डिल्ली, जितेन्द्र, गणेश, श्याम लाल, घनश्याम, मनोज श्रीवास, गोपाल श्रीवास, राजेश श्रीवास, चन्द्रकांत श्रीवास हैं। इन सभी को जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सपना चौहान ने स्वागत करते हुए कांग्रेस का गमछा पहनाकर विधिवत सदस्यता दिलाया। वहीं प्रदेश सरकार के पौने पांच वर्षो के विकास कार्यो को देखते हुए वार्ड क्र. 14 पम्प हाउस के लोगों ने कांग्रेस पार्टी पर विश्वास जताते हुए राजस्व मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल की मौजूदगी में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ली। सदस्यता लेने वाले सदस्यों में कुल 21 लोगों में रूबी, कंचन, शमीमा, नेमू निशा, कौशिल्या सिदार, रूपा सिदार, उषा, सविता ठाकुर, गीता सिंह, राधा, आयशा बेगम, सिन्धु साहू, मुस्सरी, हीना खान, गुफरान खान, अनश, सपना साहू, सुकान्ति चौहान, सोनिया चौहान, पार्वती श्रीवास, सुशीला हैं। इस दौरान राजस्व मंत्री ने सबका स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दी। ब्लॉक अध्यक्ष संतोष राठौर ने सभी सदस्यों को कांग्रेस का गमछा पहनाकर विधिवत कांग्रेस प्रवेश कराया। सदस्यता ग्रहण समारोह में कोरबा महापौर राजकिशोर प्रसाद, प्रदीप पुरायणे, एल्डरमैन रामगोपाल यादव के साथ अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

सेवानिवृत शिक्षकों के विदाई समारोह का किया गया आयोजन

-संवाददाता-

सूरजपुर,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सेवानिवृत शिक्षकों का विदाई समारोह का आयोजन संयुक्त रूप से संकुल केंद्र नवापारा, बालक, कन्या सूरजपुर के द्वारा आज शासकीय प्राथमिक शाला कन्या बड़का पारा स्कूल के प्रांगण में किया गयाद्य अतिथियों के द्वारा सर्वप्रथम सरस्वती माता और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित दीप प्रज्वलित एवं राज गीतके साथ शुरूआत किया गयाद्य विदाई समारोह विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार पोर्ते और संकुल प्राचार्य लैफ सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया जिसमें सेवानिवृत शिक्षक प्रधान पाठक रामफल साहू,प्रधान पाठक प्रवीण तिवारी,प्रधान पाठक जाहिदा खान ,शिक्षक दयानंद चौबे , शिक्षक गुलाबचंद्र साहू विदाई दी गईद्य सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार पोर्त ने अपने उद्बोधन में समस्त शिक्षकों को अपनी ओर से बहुत-बहुत बधाई देते हुए उनके जीवन के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी औरउन्होंने कहा की शिक्षक ही एक ऐसा पेसा है जिसका जीवन भर सम्मान मिलता हैजो बच्चे उनसे

पढ़ते हैं वह तो सम्मान करते ही हैं साथ में उनके पिता उनके दादा और समाज के सभी लोग सदा उनके सम्मान करते हैंद्य संकुल प्राचार्य लैफ सिंह ने सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ और अब उनकी आने वाली नई पारी के लिए उज्जवल भविष्य की कामना कीद्य सभी सेवानिवृत शिक्षकों अपने शिक्षिकीय जीवन पर अपने-अपने विचार व्यक्त कियाऔर इस कार्यक्रम और सम्मान के लिए सभी ने अपनी ओर संकुल के समस्त शिक्षक शिक्षकाओं का आभार व्यक्त किया और यह कहा कि यह सम्मान हमारे मानस पटल पर हमेशा अंकित रहेगाद्यकार्यक्रम में संकुल समन्वय अनुरागवेंद्र सिंह बघेल,अनुज नारायण दुबे जितेंद्र साह, रोशन साहू स्नेहवाला धुमाढ़ , झोल साय रवि,सुमन वर्मा, सलमा खान,रामआधार सोनवानी,राजेंद्र साहू,कल्पना मैती,सुसरेन आजि मा टोप्पो ,मायामाणी त्रिपाठी,देवेंद्र भारद्वाज,स्वाति रानी सां त्रा,नवीन गिद्ध,सरिता यादव,कनकलाता गोयल,अरुण सोनी, आभा मिश्रा,बालेश्वर प्रसाद साहू ज्योति साहू ,शिवनारायण सोनपाकर,रागिनी सिंह बबीता जायसवाल, सरिता तिर्की,सावित्री कश्यप, एलेना एक्का,निगर सुलताना शंखलाल टेकाम,स्वेता चौरसिया,सोनम ,काजल पटेल,उर्मिला यादव,राजाराम साहू, शांति , विकास कुमार राज, दिलीप पटेल शालिनी साहू छाया पटेल धनेश्वर प्रसाद यादवभैया लाल सिंह माया सिंह, मधु वैश्य,रामनन्दे साहू,संजय शांडिल्य,पदमलोचन पटेल, कौशल प्रसाद चंद्र,कामता सिंह प्रकाश सोलंकी कार्यक्रम का संचालन संकुल समन्वयकअनुज नारायण दुबेऔर आभार प्रदर्शन जितेंद्र कुमार साहू के द्वारा किया गया।

सत्र न्यायालय परिसर सूरजपुर में First Aid Clinic का किया गया शुभारम्भ

-संवाददाता-

सूरजपुर,30 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)। माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ बिलासपुर के माननीय न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 28.09.2023 को जिला एवं सत्र न्यायालय, सूरजपुर का निरीक्षण किया गया, इस अवसर पर उनके साथ माननीय श्री बलराम प्रसाद वर्मा, रजिस्ट्रार विजिलेंस छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर उपस्थित थे।

संतोष कुमार शर्मा, न्यायाधीश परिवार न्यायालय सूरजपुर गोविन्द नारायण जांगड़े जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सूरजपुर के साथ सूरजपुर व प्रतापपुर के समस्त न्यायाधीश गण, कलेक्टर व अन्य राजस्व अधिकारियों द्वारा माननीय महोदय का स्वागत पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। माननीय न्यायमूर्ति द्वारा जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर सूरजपुर में First Aid Clinic का शुभारम्भ किया गया, उक्त सुविधा के प्रारंभ होने से न्यायालय में आने वाले पक्षकारों, न्यायिक अभिरक्षा में पेश होने वाले बंदियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायिक अधिकारियों कर्मचारियों को प्रत्येक कार्य दिवस में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा

उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त माननीय न्यायमूर्ति द्वारा जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर सूरजपुर स्थित नवनिर्मित लोक अभियोजक / शासकीय अभिभाषक कार्यालय एवं न्यायिक कर्मचारी संघ के नवनिर्मित कैंटीन भवन का लोकार्पण किया गया।

माननीय न्यायमूर्ति श्री तिवारी एवं रजिस्ट्रार विजिलेंस वर्मा द्वारा जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर सूरजपुर में वृक्षारोपण किया गया। जिला एवं सत्र न्यायालय सूरजपुर के निर्माण कार्यो का भी निरीक्षण माननीय महोदय द्वारा किया गया, न्यायालय परिसर की साफ सफाई पर संतोष व्यक्त करते हुये पक्षकारों के कॉमन टायलेट में आवश्यक सुधार कार्य अविलम्ब कराये जाने हेतु लोक निर्माण विभाग सूरजपुर के उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

जिला अधिवक्ता संघ के सदस्यों के अनुरोध पर माननीय न्यायमूर्ति दीपक कुमार तिवारी एवं रजिस्ट्रार (विजिलेंस) वर्मा जिला अधिवक्ता संघ सूरजपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने अधिवक्ता संघ के कक्ष में उपस्थित हुये। जिला अधिवक्ता संघ सूरजपुर के अध्यक्ष जी. एस. मिश्रा द्वारा स्वागत करते हुये स्वागत भाषण दिया गया। संघ के अध्यक्ष ने प्रमुख रूप से अपर सत्र न्यायाधीश एवं मजिस्ट्रेट की पदस्थापना करने तथा लेबर कोर्ट सूरजपुर में खोले जाने की मांग कीअधिवक्ता संघ द्वारा माननीय न्यायमूर्ति को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। मंच का संचालन श्री सुशील निगम तथा आभार प्रदर्शननिलेश साहू द्वारा किया गया(

इस अवसर पर सूरजपुर प्रतापपुर के समस्त न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्ता संघ सूरजपुर के सम्मानीय सदस्य, राजस्व अधिकारी गण के साथ साथ जिला न्यायालय सूरजपुर के समस्त न्यायिक कर्मचारीगण उपस्थित थे।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. .../अ-2/2022-23

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रियंका यादव पत्नी दीपक यादव जाति यादव निवासी गंगापुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम गंगापुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 105/8, रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि बी-1,खसरा,नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण-पत्र, सेटलमेनट, रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 12/10/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 27/09/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अम्बिकापुर

एशियन गेम्स 2023 में रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले ने जीता टेनिस में गोल्ड मेडल

हांगझोउ, 30 सितंबर 2023। शनिवार को एशियन गेम्स 2023 में रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले ने टेनिस में गोल्ड मेडल जीत लिया। इस दौरान इस जोड़ी ने मिश्रित युगल फाइनल में ताइपे के सुंग हाओ हुआंग और लियांग एन शुओ को परास्त कर अपने नाम गोल्ड मेडल किया।
बोपन्ना और रुतुजा ने फाइनल 2-6, 6-3 से अपने नाम किया। ये मैच एक घंटे 14 मिनट तक चला। इसके साथ ही ये भारत का एशियन गेम्स में 9वां गोल्ड मेडल है।
मिश्रित युगल फाइनल में बोपन्ना ने शुरुआत बेहतरीन सर्विस गेम से की। हालांकि, हुआंग और लियांग ने लगातार दो ब्रेक जीते और अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए 5-1 की बढ़त बनाई। साथ ही उन्होंने पहला सेट 6-2 से जीत लिया। बोपन्ना और रुतुजा ने दूसरे सेट में अच्छा संघर्ष किया। इसके बाद सात गेमों में दोनों टीमों के बीच कोई अंतर नहीं था। भारतीय जोड़ी ने आठवें गेम में निर्णायक ब्रेक के साथ बराबरी की और सेट 6-3 से जीतने के बाद मैच टाई ब्रेक में गया।
निर्णायक गेम में बोपन्ना और रुतुजा ने शुरुआती बढ़त हासिल की और कुछ ही समय में 6-1 की लीड ले ली। चीनी ताइपे की जोड़ी ने वापसी का प्रयास किया लेकिन फायदा नहीं हुआ। भारतीय खिलाड़ियों ने लय बरकरार रखते हुए टाई ब्रेकर 10-4 से अपने नाम किया और इसी के साथ मेडल भी हासिल कर लिया।
इससे पहले बोपन्ना और रुतुजा ने मिश्रित युगल क्वार्टरफाइनल में कजाकिस्तान के झिबेक कुलम्बायेवा और ग्रिगोरी लोमाकिन को मात दी थी।

पिंकी बलहारा क्वार्टर फाइनल में

हांगझोउ,30 सितंबर 2023। जकार्ता एशियाई खेल 2018 की रजत पदक विजेता भारत की पिंकी बलहारा ने एशियाई खेलों की कुराश स्पर्धा में महिलाओं के 52 किलो क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया ।
पिंकी ने दक्षिण कोरिया की जो यि ली को 5 . 3 से हराया ।
इससे पहले उसने एशिरिन हेडारोवा को 5 . 0 से मात दी थी ।
भारत के बाकी खिलाड़ी हारकर बाहर हो गए । सुचिका तरियाल महिलाओं के 52 किलो वर्ग में अंतिम 32 से ही बाहर हो गई । उन्हें फिलीपींस की चार्मिया किलिनो ने 8 . 3 से हराया ।
वहीं पुरूषों के 66 किलोवर्ग में केशव को दक्षिण कोरिया के जेडियोग क्वोन ने 10 .0 से मात दी ।

भारत के आनंद और सिद्धांत पुरूषों की स्पीड स्केटिंग 10000 मीटर में छठे और सातवें स्थान पर

हांगझोउ,30 सितंबर 2023। भारत के आनंद कुमार वेलकुमार और सिद्धांत कांबले ने एशियाई खेलों में पुरूषों की स्पीडस्केटिंग 10000 मीटर फाइनल में क्रमशः छठा और सातवां स्थान हासिल किया ।
आनंद ने 15 : 40.978 और सिद्धांत ने 15 : 57.944 का समय निकाला ।
दक्षिण कोरिया के बायोनी जियोंग ने 15 : 39. 867 के साथ स्वर्ण पदक जीता । चीन के झांग झेनहाइ को रजत और कोरिया के चोइ इन्हो को कांस्य पदक मिला ।
महिलाओं के वर्ग में अराती कस्तूरी राज पांचवें और हीरल साधू सातवें स्थान पर रही । चीनी ताइपै की पेइ यू शिह को स्वर्ण और हो चेन यांग को रजत पदक मिला । दक्षिण कोरिया की यू गाराम को कांस्य पदक मिला ।

अदिति अशोक ऐतिहासिक स्वर्ण पदक पर पहुंचीं

» भारतीय महिला टीम शीर्ष स्थान पर पहुंची

हांगझोउ,30 सितंबर 2023। अदिति अशोक ने शनिवार को यहां एशियाई खेलों में गोल्फ प्रतियोगिता में ऐतिहासिक व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने के लिए खुद को मजबूत स्थिति में रखते हुए 11-अंडर 61 का सनसनीखेज तीसरा राउंड खेला। अदिति, जो अब अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से सात शॉट आगे हैं, ने भी भारतीय महिला टीम को शीर्ष स्थान पर पहुंचाया, जहां उसने थाईलैंड पर एक शॉट की बढ़त बना रखी है। भारतीय महिलाओं ने एशियाई खेलों में कभी पदक नहीं जीता है, क्योंकि अदिति 2014 में इंचियोन खेलों में 21वें स्थान पर रही थी। अदिति का 11-अंडर स्कोरकार्ड दिन के अगले सर्वश्रेष्ठ दौर से पांच शॉट बेहतर था। भारत के अन्य दो खिलाड़ी, प्रणवी उर्स (71-68-70) 7-अंडर पर और अवनि प्रशांत (72-69-74) 1-अंडर पर क्रमशः 11वें और संयुक्त 19वें स्थान पर हैं।
हालाँकि, पुरुषों के लिए दिन अच्छा नहीं गुजरा। अनिर्बान लाहिड़ी, जिन्हें दूसरे दौर में अत्यधिक गर्मी से निपटने के लिए चिकित्सा सहायता की आवश्यकता थी, का रंग फीका था। उन्होंने ऐसे कोर्स पर 2-ओवर 74 का स्कोर किया जो कम स्कोर दे रहा है। लाहिड़ी 10-अंडर के कार्ड के साथ संयुक्त 17वें स्थान पर हैं, जबकि एसएसपी चौरसिया तीसरे दौर में 68 के कार्ड के साथ संयुक्त 20वें स्थान पर हैं और खलिन जोशी 69 के कार्ड के साथ संयुक्त 24वें स्थान पर हैं।
शुभंकर शर्मा ने 76 रन बनाए जिससे वह संयुक्त 34वें स्थान पर खिसक गए। हांगकांग के ताइची खो (70) 24-अंडर के साथ पुरुष वर्ग में शीर्ष पर हैं, ताइपे के चिएन-याओ हंग (67) 21-अंडर के साथ दूसरे और कोरिया के जांग युबिन (68) 20-अंडर के साथ तीसरे स्थान पर हैं। भारतीय पुरुष टीम भी पदक की दौड़ से बाहर है, क्योंकि वे कुल 32-अंडर के साथ आठवें स्थान पर थे, जो कोरिया से 26-शॉट पीछे था, जबकि थाईलैंड और हांगकांग संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर थे।
अदिति, जो टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर थी, अब 54 होल के बाद 67-66-61 के राउंड के साथ कुल 22-अंडर है। उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी अर्पिचया युबोल (67-65-69) 15-अंडर हैं, जबकि चीन की लिन जुयि (67-67-68) 14-अंडर हैं। अदिति के शानदार राउंड ने भारत को टीम प्रतियोगिता में एक शॉट की बढ़त भी दिला दी। अदिति के 11-अंडर पुट के साथ-साथ प्रणवी उर्स के 2-अंडर 70 के स्कोर ने भारतीय महिलाओं को बढ़त बनाने में मदद की। भारत अब 29-अंडर है और थाईलैंड, चीन, कोरिया और जापान जैसी कट्टर टीमों से आगे है। अदिति ने 54 होल में सिर्फ एक शॉट गिराया है और वह दूसरे राउंड में आया। उन्होंने तीसरे राउंड की शुरुआत दूसरे पर बर्डी के साथ की और चौथे, पांचवें, सातवें और आठवें पर और बर्डी लगाकर 5-अंडर पर पहुंच गई। फिर उसने सप्ताह का अपना दूसरा ईगल शॉट पार-4 नौवें पर उतारा और 7-अंडर 29 में बदल गई। पिछले नौ में, 12वें पर एक बर्डी के बाद 15वें, 17वें और 18वें होल पर तीन और बर्डी के साथ 11-अंडर हो गया। प्रणवी के पास एक बोगी के मुकाबले तीन बर्डी थीं, जबकि अवनी के पास पहले 17 होल में दो बर्डी और दो बोगी थीं और फिर 18वें होल में 74 में डबल बोगी थी।

प्रीति को ओलंपिक कोटा, भारत का पदक पक्का

हांगझोउ,30 सितंबर 2023। भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने एशियाई खेलों में शनिवार को महिलाओं के 54 किलो सेमीफाइनल में प्रवेश करके पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल किया और पदक भी पक्का कर लिया ।
उन्नीस वर्ष की प्रीति ने तीन बार की विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता और मौजूदा एशियाई चैम्पियन कजाखस्तान की जाइना शेकेरबेकोवा को 4 . 1 से हराया । प्रीति ने आक्रामक शुरूआत की लेकिन उसकी अनुभवी प्रतिद्वंद्वी ने कई बार उसके रक्षण में सेंध मारी । इसके बावजूद प्रीति ने विचलित हुए बिना पहले दौर में 3 . 2 की बढत बना ली ।

आखिरी तीन मिनट में दोनों मुक्केबाजों ने एक दूसरे पर जमकर घूंसे बरसाये लेकिन सटीक नहीं लगे । कजाखस्तान की खिलाड़ी पर थकान हावी हो गई और प्रीति ने आक्रामकता बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की ।
इससे पहले निकहत जरीन ने भी ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया था ।
महिला वर्ग में 50 किलो, 54 किलो, 57 किलो और 60 किलो में सेमीफाइनल में पहुंचने वाले और 66 किलो तथा 75 किलो में फाइनल में पहुंचने वाले मुक्केबाजों को पेरिस ओलंपिक का कोटा मिलेगा ।

7 वें दिन भी भारतीय निशानेबाजों का कमाल

सरबजीत और दिव्या ने जीता सिल्वर

हांगझोउ,30 सितंबर 2023। एशियन गेम्स 2023 के 7वें दिन भारतीय निशानेबाजों का कमाल जारी है। वहीं इस कड़ी में भारत के सरबजोत सिंह और दिव्या थडिगोल ने 10 मीटर एयर पिस्टल में सिल्वर मेडल जीता है। हालांकि, इस दौरान इन दोनों निशानेबाजों को चीनी जोड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। जिसके बाद ये जोड़ी गोल्ड मेडल से चूक गई। सरबजोत सिंह और दिव्या थडिगोल की जोड़ी गोल्ड मेडल मैच की शुरुआत में तो चीनी जोड़ी से आगे थी, लेकिन आखिर में चीनी निशानेबाजों ने भारत को पछाड़ कर गोल्ड पर अपना कब्जा कर लिया।
क्वालिफिकेशन में सरबजोत ने 291 स्कोर किया जबकि दिव्या का स्कोर 286 रहा। दोनों का कुल स्कोर 577 रहा और वे क्वालीफिकेशन में चीन से एक अंक आगे रहे थे। लेकिन गोल्ड मेडल मैच में चीनी जोड़ी ने बाजी मारी।

इसके साथ ही भारत का एशियन गेम्स 2023 में शूटिंग में ये कुल 19वां मेडल है। अभी तक निशानेबाजी में 6 गोल्ड, 8 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज मेडल जीत चुका है।

मैं दिमाग से चोट का ख्याल भी निकाल देना चाहता हूंःनीरज चोपड़ा

हांगझोउ,30 सितंबर 2023। लंबे समय से ग्रोइन की चोट से परेशान ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा एशियाई खेलों में इस चोट के बारे में सोचना भी नहीं चाहते । चोपड़ा ने जकार्ता में 2018 में भालाफेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था ।इस चोट के बावजूद उन्होंने इस सत्र में अगस्त में बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप जीती और सितंबर में डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे ।
उन्होंने कहा , मैं स्विटजरलैंड में अभ्यास और इत्मीनान से रिहैब के बाद यहां आया हूं । उम्मीद है कि सौ फीसदी देकर पदक जीत सकूंगा । उन्होंने कहा, चोट तो अभी भी है । पिछले साल भी मसला था लेकिन मुझे बेहतर लग रहा था । मुझे ख्याल रखना होगा क्योंकि पेरिस ओलंपिक की तैयारी भी है । इस तरह की चीजें शीर्ष स्तर पर खेलने वाले एथलीटों के साथ होती रहती है ।
उन्होंने कहा , मैने विश्व चैम्पियनशिप के दौरान भी इसके बारे में सोचने की बजाय अपने थ्रो पर फोकस किया । मैं इस समय भी चोट का ख्याल भी दिमाग में नहीं लाना चाहता।

आरसीबी ने बिग बैश विजेता ल्यूक विलियम्स को डब्ल्यूपीएल का मुख्य कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली,30 सितम्बर 2023। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने डब्ल्यूपीएल के लिए आरसीबी महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में ऑस्ट्रेलिया के ल्यूक विलियम्स को नियुक्त किया है। एडिलेड में जन्मे 43 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर ने दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेला है। एडिलेड स्ट्राइकर्स के मुख्य कोच के रूप में अपने चार सीज़न के कार्यकाल में, विलियम्स ने दो उपविजेता रहने के बाद 2022-2023 में टीम को पहली महिला बिग बैश लीग का खिताब दिलाया। साउदर्न ब्रेव के साथ उनके सहायक कोच के रूप में जुड़े ल्यूक ने प्रदर्शन-उन्मुख दृष्टि के साथ किस्मत बदल दी और टीम को उनकी पहली महिला हंड्रेड चैम्पियनशिप तक मार्गदर्शन किया। उन्होंने महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग (50 ओवर) में साउथ ऑस्ट्रेलियन स्कॉर्पियन्स के साथ चार साल बिताए और उन्हें दो मौकों पर उपविजेता स्थान तक पहुंचाया। वह इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड का दौरा करने वाली ऑस्ट्रेलिया ए टीम के मुख्य कोच थे।
इस अवसर पर, डियाजियो इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी और आरसीबी के अध्यक्ष प्रथमेश मिश्रा ने कहा, ÷मैं ल्यूक विलियम्स का हार्दिक स्वागत करता हूं क्योंकि वह आरसीबी महिला टीम की कमान संभाल रहे हैं। उनकी विशेषज्ञता और नेतृत्व के साथ, हमारा लक्ष्य है रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की भावना को मूर्त रूप देना, साहसपूर्वक खेलना और दृढ़ संकल्प, जुनून और उत्कृष्टता की निरंतर खोज से भरी यात्रा शुरू करना, जिसका लक्ष्य हमारे प्रशंसकों और समर्थकों को गौरवान्वित करना है।
मैं आरसीबी के साथ यह अवसर प्रदान किए जाने से रोमांचित हूं और डब्ल्यूपीएल के दूसरे सीज़न के लिए टीम की तैयारी शुरू करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। मैं एक ऐसे खेल समूह के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं जो भारतीय और विश्व क्रिकेट के कई सबसे रोमांचक खिलाड़ियों की मेजबानी करेगा क्योंकि हम अपने विशाल और भावुक प्रशंसक आधार के लिए खेल की एक साहसिक और रोमांचक शैली और सफलता लाना चाहते हैं, ÷विलियम्स ने अपने विचार व्यक्त किए। आरसीबी महिला टीम में शामिल होने पर उत्साह। आरसीबी आगे आने वाले अवसरों से उत्साहित है और आगामी सीज़न के लिए एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी महिला क्रिकेट टीम बनाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रही है। आरसीबी मैदान पर और बाहर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

करण पटेल के करियर की पहली फिल्म डर्रान छू का ट्रेलर जारी

टीवी शो कहानी घर घर की में विज्ञात का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुए करण पटेल पिछले कुछ वक्त से अपनी फिल्म डर्रान छू को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए करण बॉलीवुड में कदम रख रहे हैं। निर्माताओं ने डर्रान छू का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो कॉमेडी से भरपूर है। फिल्म में करण के किरदार का नाम मानव अवस्थी है, जो अपनी जिंदगी और मौत की कहानी बता रहा है। फिल्म डर्रान छू 13 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसमें करण के अलावा स्मृति कालरा, मनोज जोशी, किरण भार्गव, सानंद वर्मा और आशुतोष राणा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।फिल्म का निर्देशन भारत रत्न ने किया है।डर्रान छू मीनू पटेल और अंकिता भार्गव पटेल द्वारा निर्मित है, वहीं इस फिल्म की कहानी एम सलीम ने लिखी है।करण ये है मोहब्बतें और कसौटी जिंदगी की जैसे सुपरहिट टीवी शो में भी नजर आ चुके हैं।

प्यार,धोखे और साजिश की कहानी बेकाबू 3! रिया सेन व राहुल सुधीर की दिखेगी हॉट केमिस्ट्री

डिजिटल एंटरटेनमेंट की दुनिया में लोकप्रिय ऑल्ट ने मोस्ट-अवेटेड सीरीज बेकाबू की लेटेस्ट इंस्टॉलमेंट बेकाबू 3 के साथ वापसी करने का ऐलान किया है।
पिछले सफल सीजन को आगे बढ़ाते हुए, नया सीजन दर्शकों को और भी ज्यादा एंटरटेनिंग और थ्रिलिंग एक्सपीरियंस देने का वादा करता है। यह दर्शकों को रोमांचित करेगा।शानदार कलाकारों से सजी बेकाबू 3 में चित्रा के किरदार में रिया सेन, ईशा के किरदार में नवीना बोले, अर्जुन के किरदार में राहुल सुधीर, यूडी के किरदार में इमरान खान और अलीशा के किरदार में निकिता घाग हैं। कलाकारों ने दमदार परफॉर्मेंस देने का वादा किया है, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा और उन्हें अपनी सीटों से बांधे रखेगा।
बेकाबू 3 ह्यूमन नेचर में गहराई से उतरती है, एक ऐसी दुनिया में जहां कोई भी वैसा नहीं है, जैसा वे होने का दिखावा करते हैं। यहां झूठ और विश्वासघात है। कहानी एक मासूम पत्नी तापसी और उसके पति अर्जुन, जो उसका बॉस होता है, के इर्द-गिर्द घूमती है। स्टोरी में धोखे और इच्छा का जाल है।
अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, रिया सेन ने कहा, बेकाबू 3 में चित्रा का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचकारी रहा है। चित्रा एक ऐसा करेक्टर है, जो बहुआयामी, रहस्यमय और आश्चर्य से भरपूर है। मुझे चित्रा की मानसिकता को गहराई से समझने और उसकी जटिलताओं को पर्दे पर जीवंत करने में मजा आया। सीरीज में दर्शक देख सकेंगे कि चित्रा भावनाओं के किस उतार-चढ़ाव से गुजरती है और इस मनोरंजक कहानी में उनका चरित्र कैसे सामने आता है। बेकाबू 3 एक ऐसा अनुभव है, जो किसी अन्य से अलग नहीं है और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को इसे देखने में उतना ही आनंद आएगा, जितना मुझे चित्रा का किरदार निभाने में आया।
राहुल सुधीर ने कहा, बेकाबू 3 में अर्जुन का किरदार निभाना एक अविस्मरणीय अनुभव रहा है। अर्जुन एक ऐसा करेक्टर है, जो रहस्यमय और विरोधाभासी है और वह कहानी के रहस्य और नाटक में एक अनूठी परत जोड़ता है। ऐसे प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करना सौभाग्य की बात है, और मेरा मानना है कि हमारे दर्शक पहले एपिसोड से ही इससे जुड़ जाएंगे। बेकाबू 3 प्यार, विश्वासघात और साजिश की एक गहन यात्रा है, और मैं दर्शकों की ओर से मिलने वाली प्रतिक्रिया के लिए उत्साहित हूं।
बेकाबू 3 अपनी मनोरंजक कहानी, रोमांचक प्रदर्शन और अविश्वसनीय रहस्य के साथ मनोरंजन को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। इस सीजन का हर क्षण तनाव, रहस्य और न्याय, प्रतिशोध और जुनून की निरंतर खोज से भरा है। भावनाओं के उतार-चढ़ाव के लिए खुद को तैयार रखें, क्योंकि हर एपिसोड आपको सीन से जोड़े रखेगा।

गोल्डन साड़ी पहन श्रिया सरन दिखीं बेहद खूबसूरत

साउथ फिल्म और बॉलीवुड फिल्म की एक्ट्रेस श्रिया सरन आए दिन अपनी बोल्ड और खूबसूरत तस्वीरें फैंस के बीच पोस्ट कर उन्हें अपने हुस्न का कायल कर देती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर बवाल मचाता रहता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर होते ही लाइमलाइट में आ गई हैं। इन तस्वीरों में उनका ट्रेडिशनल अवतार देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। दृश्यम में अजय देवगन की ऑनस्क्रीन वाइफ का किरदार निभाकर लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस श्रिया सरन आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस हर बार अपने नए-नए लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस का दिल मचल देती हैं। हालिया फोटोशूट के दौरान भी एक्ट्रेस ने अपने एथनिक लुक से इंटरनेट पर बवाल मचा दिया है। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश अंदाज देखकर फैंस की निगाहें उन पर टिकी रह गई हैं। श्रिया ने इस फोटोशूट के लिए गोल्ड कलर की साड़ी पहनी हुई है, साथ ही स्टाइलिश ब्लाउज से टिम अप किया हुआ है। एक्ट्रेस के डीपनेक स्टाइलिश ब्लाउज पर से फैंस की नजरें हटने का नाम नहीं ले रही है। माथे पर बिंदी, कानों में झुमके, कजरारी निगाहें, बालों का जुड़ा बांधकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को खूबसूरती से निखारा है। श्रिया सरन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की जबरदस्त फैन फॉलोइंग लिस्ट है।

CMYK

आपके सपने को साकार करने के लिए कोई समझौता नहीं

प्रधानमंत्री मोदी बिलासपुर में भाजपा की 'परिवर्तन यात्राओं' के समापन समारोह में शामिल हुए

रायपुर,30 सितम्बर 2023(ए)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज बिलासपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए 'कांग्रेस' पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि हर योजना में भ्रष्टाचार हावी है, इसलिए छत्तीसगढ़ कांग्रेस सरकार को हटाने और भारतीय जनता पार्टी को लाने के लिए जनता पूरी तरह से तैयार है। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी बिलासपुर में भाजपा की 'परिवर्तन यात्राओं' के समापन समारोह में शामिल हुए।

रधानमंत्री मोदी ने अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ की आकांक्षाओं को समझते हुए इस प्रदेश का निर्माण किया था। भाजपा ने छत्तीसगढ़ के लोगों के सामर्थ्य को समझा, यहां का हाई कोर्ट हमारे बिलासपुर में है। उन्होंने कहा,

आज मैं यह गारंटी देने आया हूं कि आपके सपने को साकार करने के लिए मोदी कोई कसर नहीं छोड़ेगा। जनता का सपना, मेरा का संकल्प है। छत्तीसगढ़ के हर परिवार का सपना तभी साकार होगा, तब छत्तीसगढ़ में भी भाजपा सरकार होगी।

'कांग्रेस में मची खलबली'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दिल्ली से मैं जितनी भी कोशिश करूं यहां की कांग्रेस सरकार उसको विफल करने में जुटी रहती है। पिछले पांच वर्षों में छत्तीसगढ़ को केंद्र सरकार से हजारों करोड़ रुपये मिला है, यहां सड़क, रेल, बिजली सहित दूसरे अनके विकास कार्यों के लिए पैसों की कोई कमी नहीं रखी। उन्होंने कहा,

यह बात सिर्फ मैं कह रहा हूं ऐसा नहीं है, बल्कि यहां के उपमुख्यमंत्री जी ने सार्वजनिक सभा में कही थी और उपमुख्यमंत्री जी ने सच बोला तो पार्टी (कांग्रेस) में ऊपर से नीचे तक तूफान खड़ा हो गया और उनको फांसी में लटकाने का खेल शुरू हो गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के उपमुख्यमंत्री भरी सभा में कहते हैं कि दिल्ली कभी अन्याय नहीं करता है। इस पर हर एक को खुशी होनी चाहिए, लेकिन पूरी कांग्रेस में तूफान मच गया।

'भारत सरकार ने निभाई अपनी जिम्मेदारी'

उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए छत्तीसगढ़ में हजारों करोड़ रुपये के विकास कार्यों को मंजूरी दी और पैसे भेजे, लेकिन कांग्रेस सरकार की वजह से या तो वह रुके हुए हैं या बहुत देरी से शुरू हुए। हर परियोजना में रोक-टोक करने वाली कांग्रेस सरकार अगर यहां पर दोबारा आई तो क्या छत्तीसगढ़ का भला होगा?इसी बीच प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों का जीवन आसान बनाने की कोशिश में जुटी रहती है। उन्होंने कहा कि हमने शौचालय बनाएं तो दलित, पिछड़े और आदिवासी परिवारों की महिलाओं की मुश्किलें कम हुई। हमने सौभाग्य योजना से मुफ्त बिजली कनेक्शन दिए तो दलित, पिछड़े और आदिवासी परिवारों के घर रोशन हुए। हमने उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त कनेक्शन दिया तो इन परिवारों को धुएं से मुक्ति मिली।सनद रहे कि छत्तीसगढ़ में आगामी विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान भले ही न हुआ हो, लेकिन राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

अरविंद नेताम की पार्टी को मिली चुनाव आयोग से मान्यता

रायपुर,30 सितम्बर 2023(ए)। जल्दी मिलेगा चुनाव चिन्ह। सम्भावना जताई जा रही है कि श्री नेताम ने पार्टी के लिए हसिया कुल्हाड़ी भी मांगा था जो उन्हें मिल सकता है।

अलग सियासी दल के गठन की घोषणा के साथ ही वरिष्ठ राजनेता अरविंद नेताम 51 सीटों पर अपना प्रत्याशी खड़ा करेगी। राज्य की 90 में से 51 सिधानसभा से चुनाव लड़ने तैयारी चिन्ह मिलते ही तेज हो जाएगी। उन्होंने कहा 51 स्थान में लड़ेगी हमर राज पार्टी चुनाव। बसपा से क्षेत्रीय आधार पर सीटों का होगा बंटवारा।

छत्तीसगढ़ पीएससी को लेकर बोले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

हर एक शिकायत की गंभीरता से करेंगे जांच

रायपुर,30 सितम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (पीएससी) को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि पीएससी की परीक्षा देने वाले किसी भी एक अभ्यर्थी ने अब तक शिकायत नहीं की है। यदि किसी तरह की कोई भी शिकायत आती है या किसी अभ्यर्थी की ओर से एक भी शिकायत की जाती है तो हम हर शिकायत की गंभीरता से जांच करेंगे। किसी का अधिकार छीनने का किसी को भी हक नहीं है। जब आप योग्य हैं, आप परीक्षा दे रहे हैं, आप पात्रता रखते हैं तो उसका लाभ आपको निश्चित रूप से मिलना चाहिए। यदि कोई गड़बड़ी हुई है तो उसकी जांच करेंगे और यदि कोई दोषी है तो उस पर जरूर कार्रवाई होगी।

सीएम बघेल ने कहा कि मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मैं छत्तीसगढ़ के युवाओं के साथ हूं। उन्होंने युवा साथियों से अपील करते हुए कहा कि युवा साथी किसी भी तरह के बहकावे में ना आए, अपनी तैयारी मेहनत और लगन से करते रहे। पीएससी की परीक्षा के रिजल्ट आए कई दिन हो गए हैं, अब तक किसी भी अभ्यर्थी की ओर से किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी अधिकारी का पुत्र-पुत्री होने में कोई दोष नहीं है, परीक्षा में सारे अभ्यर्थी समान रूप से शामिल होते हैं और उसी तर्ज पर सफलता पाते हैं, लेकिन यदि इसका अनुचित लाभ उठाया जाता है तो यह गलत है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित परीक्षाओं के विभिन्न चरणों में अभ्यर्थियों की ओर से तरह-तरह के अभ्यावेदन/शिकायत दिए जाते हैं जैसे कि शैक्षणिक अर्हता आयु में छूट, आरक्षण रोस्टर, लिंग/जन्मतिथि परिवर्तन आवेदनों को भरने में विभिन्न प्रकार की त्रुटि. अनुक्रमांक, केन्द्र, परीक्षा की तिथि आगे-पीछे करने आदि प्राप्त सभी अभ्यावेदनों/शिकायतों पर आयोग की ओर से तत्काल संज्ञान में लेकर निराकरण किया जाता है तथा अभ्यावेदनों/शिकायतों पर आवश्यक कार्यवाही निर्धारित समय में की जाती है, जिससे कि अभ्यर्थियों को इसका लाभ प्राप्त हो सके। वर्ष भर परीक्षाओं को निर्बाध रूप से संपन्न कराने की कार्यवाही लगातार करते रहने और अभ्यर्थियों के आवेदनों को समय पर निराकरण करने में आयोग की ओर से पूर्ण पारदर्शिता बरती जाती है। इसके बाद अभ्यर्थियों और कतिपय लोगों की ओर से भ्रामक जानकारी देकर आयोग को आक्षेप लगाया गया है कि ये परीक्षा में बैठे हैं, साक्षात्कार में भी उपस्थित हुए हैं। मगर उनके उत्तीर्ण होने की घोषणा में दूसरे का नाम जारी कर दिया गया है। उक्त प्रकरण की जांच करने पर शिकायत तथ्यहीन व निराधार पाई गई तथा संबंधित अभ्यर्थी के विरूद्ध आयोग की ओर से एफआईआर दर्ज कराया गया।

76 प्रकरणों का हुआ निराकरण

इसी प्रकार एक अन्य अभ्यर्थी के अधिक अंक प्राप्त होने के बाद भी साक्षात्कार में नहीं बुलाने संबंधी अभ्यावेदन/शिकायत आयोग कार्यालय को प्राप्त हुआ था। प्राप्त अभ्यावेदन/शिकायत का परीक्षण करने पर अभ्यावेदन/शिकायत गलत पाया गया। अभ्यर्थी को आयोग के परीक्षा संबंधी समस्त नियमों के अनुरूप अनर्ह किया गया है और इस बाबत अभ्यर्थी को सूचित भी किया गया है। आयोग को पिछले एक वर्ष में विभिन्न अभ्यावेदकों से लगभग कुल 95 अभ्यावेदन/शिकायत प्राप्त हुए, जिनमें से 76 प्रकरणों का निराकरण कर दिया गया है तथा शेष 19 प्रकरणों पर प्रक्रिया चल रही है। इस प्रकार कोई भी अभ्यावेदन/शिकायत आयोग में शेष नहीं है। उपरोक्त तथ्यों से यह स्पष्ट हो रहा है कि आयोग प्राप्त अभ्यावेदनो/शिकायतों पर विचार कर की गई कार्यवाही से अभ्यावेदकों को अवगत कराता है।

अभ्यर्थी अधिकृत ई-मेल पर कर सकते हैं शिकायत

यदि किसी भी अभ्यर्थी को आयोग में अभ्यावेदन/शिकायत प्रस्तुत करना हो तो आयोग के अधिकृत ई-मेल आई डी और आयोग कार्यालय छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, नार्थ ब्लॉक सेक्टर-19, अटल नगर नया रायपुर के शिकायत प्रकोष्ठ (विधि अनुभाग) में सीधे अभ्यावेदन/शिकायत प्रस्तुत कर सकते हैं, जिनका नियमानुसार निराकरण कराया जाकर संबंधितों को सूचित करने की कार्यवाही की जाएगी।

दंतेवाड़ा में ग्रामीणों ने चुनाव बहिष्कार का किया एलान

दंतेवाड़ा,30 सितम्बर 2023(ए)। धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र दंतेवाड़ा जिले में भांसी गांव के कलारपारावासी नागरिकों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा पूर्ण व्यवहार से पीड़ित होकर विधानसभा चुनाव बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। देश के 77 साल आजादी के बीत जाने के बाद भी इश गांव में मूलभूत सुविधाएँ नहीं है। मूलभूत सुविधाओं के लिए यहां को लोग तरस रहे हैं.। बिजली न पहुंचने से पूरा इलाका अंधेरे में डूबा हुआ है। यहां 50 से ज्यादा परिवार रहते हैं।

न इस सरकार ने और न पिछली सरकार ने इस कलारपारा तक बिजली पहुंचाने की जहमत नहीं उठाई है। यहां के ग्रामीण द्वारा जिला प्रशासन से लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों से बार-बार गुहार लगाने के बावजूद भी कोई सुनवाई नहीं होता देख आगामी विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने का ऐलान किया है।

कतेमें बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है। इस समस्या से एक बार नहीं दो नहीं बल्कि कई बार प्रशासन को अवगत करा चुके हैं। लेकिन आश्वासन के अलावा आज तक इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। लिहाजा ग्रामीण बार-बार गुहार लगाकर थक चुके हैं। गुस्साएं ग्रामीणों ने इस बार विधानसभआ चुनाव बहिष्कार करने का सामूहिक रूप से ग्रामीणो ने निर्णय लिया है। , जिले के भांसी गांव के कलारपारा में 40 से अधिक परिवार रहते हैं। रेलवे पटरी के उस पार बसे कलारपारा के रहवासी लंबे समय से बिजली पहुंचाने की मांग कर रहे हैं। वैकल्पिक व्यवस्था के लिए क्रेडा विभाग ने अपना सोलर प्लेट लगा दिया है जो अक्सर खराब रहता है। बिजली पहुंचने के लिए बड़ी समस्या रेलवे क्रॉसिंग था। लेकिन ग्रामीणों ने किसी तरह रेलवे के अधिकारियों से संपर्क कर रास्ता निकाला और दंतेवाड़ा बिजली ऑफिस में से दस्तावेज विशाखापट्टनम रेल मंडल ऑफिस भेज दिया गया और वहां से भी बिजली लगाने की अनुमति मिल गई है। दूसरी ओर स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा अब तक बिजली पहुंचाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। कलारपारा निवासी आरती कर्मा ने बताया कि, दंतेवाड़ा के पूर्व कलेक्टर दीपक सोनी ने आश्वासन दिया था कि उनके गांव में बिजली और मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने की कवायद शुरू होने वाली है। बिजली पहुंचाने की मंजूरी भी मिल गई है। लेकिन इसके बावजूद आज तक बिजली का एक पोल तक गांव में नहीं गढ़ पाया है।

एक्सिस बैंक डकैती कांड को सुलझाने वाले पुलिसकर्मियों को मिलेंगे आउट ऑफ टर्न प्रमोशन और नकद पुरस्कार

रायपुर,30 सितम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के एक्सिस बैंक डकैती कांड के आरोपियों को 24 घंटे के अंदर शत प्रतिशत रकम के साथ गिरफ्तार करने में बड़ी कामयाबी मिलने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पुलिस टीम को बधाई दी और उनका हौसला बढ़ाया । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायगढ़ और बलरामपुर जिले की पुलिस के लिए सम्मान और विशेष प्रोत्साहन देने की बात कही है। बिहार के गैंग द्वारा रायगढ़ जिले के एक्सिस बैंक में करोड़ों रूपए की डकैती को अंजाम दिया गया था।

छत्तीसगढ़ पुलिस ने इस डकैती को सुलझाने और बिहार के बैंक डकैती गैंग को पकड़ने के पश्चात छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा द्वारा इस केस में सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को आउट आफ टर्न प्रमोशन, सैलरी इंक्रीमेंट,नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित करने की अनुशंसा की है, जिसे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यथावत स्वीकार करने की बात कही है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ पुलिस अपनी पूरी कर्तव्यनिष्ठा के लिए काम कर रही है और उत्कृष्ट कार्यों का सम्मान उन्हें मिलना चाहिए. इस अवसर पर रायगढ़ जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार तथा बलरामपुर जिले के पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह ने बैंक डकैती सुलझाने में शामिल पुलिस कर्मियों के साथ मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए उनका आभार प्रकट किया।

डिप्टी सीएम के खिलाफ झूठा मुकदमा करने वालों पर अब होगा मानहानी का मुकदमा

रायपुर,30 सितम्बर 2023(ए)। डिप्टी सीएम के खिलाफ झूठा मुकदमा करने वालों पर अब मानहानी का मुकदमा दायर किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव की लीगल टीम ने मीडिया से से चर्चा में इस बात की जानकारी दी है।खसरा क्रमांक 3467 का रकबा 52.6 एकड़ भूमि जिसे शिवसागर बांध के नाम से जाना जाता है, इसे ही बेचे जाने के आरोप लगे थे। उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव के विरुद्ध उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में दायर की गई याचिका के खारिज हो चुकी है। बाद में खुलासा हुआ कि याचिका दुर्भावना से ग्रसित होकर छवि को धूमिल करने के प्रयास से दायर की गई थी।डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव की लीगल टीम की ओर से अधिवक्ता संतोष सिंह ने बताया कि तरुनीर समिति के अध्यक्ष कैलाश मिश्रा ने 8 दिसंबर 2016 और 11 अगस्त 2017 को कलेक्टर और राज्य शासन से शिकायत की थी। जिसमें ये दावा किया गया था कि टीएस सिंहदेव ने राजनीतिक पद का दुरुपयोग करते हुए 33.18 एकड़ तालाब मद की भूमि को खुली भूमि के तौर पर अंकित करा लिया था। इसके बाद इसकी खरीद बिक्री शुरु हुई। कैलाश मिश्रा ने तालाब की भूमि को तालाब मद में अंकित करने की मांग की थी।

झोलाछाप डॉक्टर की भेंट चढ़ी महिला

» इलाज कराने पहुंची और इंजेक्शन लगाने के बाद हो गई मौत

जांजगीर चांपा,30 सितम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में एक महिला की मौत झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही के कारण हो गई। जिले के नैला के दर्री पारा में झोलाछाप डॉक्टर से इंजेक्शन लगवाने के बाद महिला तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। मृतक महलिा की पहचान किरन ताम्रकार के रूप में हुई है। महिला की मौत के बाद परिजनों ने झोलाछाप डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया है और कार्रवाई की मांग की गई है। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद झोलाछाप डॉक्टर फरार है।मिली जानकारी के अनुसार ग्राम कन्हाईबंद के रहने वाले राकेश ताम्रकार पत्नी किरन ताम्रकार के साथ गुरुवार की शाम करीबन चार बजे नैला रेलवे स्टेशन पर बने गणेश की मूर्ति देखने आए हुए थे। गणेश भगवान के दर्शन कर अपने घर जा रहे थे तभी किरन ने अपने पति को बुखार होने की जानकारी दी। जिसके बाद वे दोनो नैला के दर्री पारा में झोलाछाप डॉक्टर सुनील प्रधान के क्लीनिक गए और इंजेक्शन लगवा लिया। इंजेक्शन लगाने के बाद किरन की तबीयत खराब होने लगी तभी उसे उपचार के लिए जि ला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फ्लिहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

पीएम मोदी का दम सच या सीएम भूपेश का दम सच

रायपुर,30 सितम्बर 2023(ए)। अपने दम पर धान खरीदी को लेकर पीएम और सीएम के दम को लेकर विवाद छिड़ गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने झूठ बोला कि धान केंद्र खरीदती है, छत्तीसगढ़ में धान भूपेश सरकार अपने दम पर खरीदती है। मोदी सरकार तो सिर्फ अडंगा लगाती है, चावल भी लेते है तो ऐसा बर्ताव करेंगे जैसे अहसान कर रहे है।

रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण का प्रतिकार करते हुये कांग्रेस ने कहा कि मोदी की गारंटी की कोई गारंटी नहीं है वर्ना देश में महंगाई कम हो जाती। प्रधानमंत्री ईमानदार होते तो रमन सिंह और उनका आधा मंत्रिमंडल जेल में होता।

प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार पर बातें तो करते है लेकिन जैसे भाजपा नेताओं और अपने उद्योगपति मित्र के भ्रष्टाचार की बात होती है प्रधानमंत्री मौनी बाबा बन जाते है। अडानी के घोटालों पर पूरा देश प्रधानमंत्री से जवाब चाहता है, प्रधानमंत्री नहीं बोलते।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री से छत्तीसगढ़ में 36000 करोड़ के नान घोटाले, 6200 करोड़ के चिटफंड घोटाले, पनामा पेपर घोटाले की जांच करवाने पत्र लिखा था लेकिन प्रधानमंत्री ने अपने दल के नेताओं को बचाने के लिये जांच नहीं करवाया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और पूरी भाजपा कांग्रेस से डरी हुई है यह प्रधानमंत्री के भाषणों और भाजपा नेताओं के आचरण से लगता है। प्रधानमंत्री के भाषणों की घबराहट बता रही है वे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की लोकप्रियता से डरे हुये है।

पीएससी स्कैम को लेकर 'आप' का प्रदर्शन

» सीएम हाउस घेराव के लिए जा रहे कार्यकर्ताओं को रोका प्रशासन ने

रायपुर,30 सितम्बर 2023(ए)। पीएससी स्कैम गड़बड़ी और घोटाला मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी ने राजधानी रायपुर में प्रदर्शन किया। इस दौरान बूढ़ा तालाब से मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच कर रहे 'आप' कार्यकर्ताओं को सप्रे शाला मैदान के पास स्थानीय प्रशासन ने रोक दिया। 'आप' प्रदेश सचिव उत्तम जायसवाल ने कहा कि पीएससी स्कैम की साख के लिए सीबीआई जांच जरूरी है।

प्रदेश भर से प्रदर्शन के लिए पहुंचे कार्यकर्ता

आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेशभर के 'आप' कार्यकर्ता इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। दरअसल इन दिनों प्रदेश के समस्त परीक्षाओं में धांधली की बात सामने आने से युवाओं में निराशा का भाव है। परीक्षा नियंत्रक एजेंसियां प्रदेश के युवाओं का भरोसा खो रही हैं। प्रदेश में चाहे भर्ती प्रक्रिया हो, रोजगार देने की बात हो या बेरोजगारी भत्ता हो, ये सभी सिर्फ और सिर्फ विज्ञापन ही साबित हो रहे हैं। परीक्षा एजेंसियों की इस कार्यशैली से प्रदेश के युवा हताश हैं।

पहले भी कर चुके हैं प्रदर्शन

'आप' प्रवक्ता प्रियंका शुक्ला ने छात्रहित के लिए संघर्षों को बताते हुए कहा कि पीएससी स्कैम में भ्रष्टाचार के खिलाफ मई में पार्टी ने बड़ा प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया था। इसी महीने में 21 मई को पाटन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को काले झंडे दिखाने के मामले में 'आप' कार्यकर्ताओं की गिरफ़्तारी भी हुई थी। न्याय और सम्मान की लड़ाई में आगे भी प्रदेश के युवाओं को 'आप' का समर्थन जारी रहेगा। आज हुए विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शामिल होकर प्रदेशभर के पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, युवाओं और महिलाओं ने अपना आक्रोश दर्ज कराया। आम आदमी पार्टी की मांग है कि पीएससी घोटाले की सीबीआई से जांच कराई जाये।

मैसेज,लालच और लंबी चपत:ठगों के जाल में फंसा बीएसएफ जवान

» 11 लाख से अधिक का लगाया चूना,आखिर शातिरों ने कैसे ऐंठे पैसे

दुर्ग,30 सितम्बर 2023(ए)। बीएसएफ में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक के साथ 11 लाख 27 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है. ठगों ने बीएसएफ के अधिकारी से ग्राहक सेवा केन्द्र शुरू करने के नाम पर बीएसएफ के अधिकारी को ठगी का शिकार बनाया है. बीएसएफ अधिकारी की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ धारा 420 के तहत पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है.दरअसल, बीएसएफ के क्षेत्रीय मुख्यालय भिलाई में सहायक उप निरीक्षक के पद पर कार्यरत विनय सिंह ने नेवई थाने में शिकायत की है कि, अज्ञात मोबाइल धारक द्वारा ग्राहक सेवा केन्द्र खोलने के नाम पर मैसेज किया गया. जिसके बाद पीड़ित को आरोपी द्वारा एक मेल भेजा गया. पीड़ित से ग्राहक सेवा केन्द्र के लिए सैटलमेंट राशि के रूप में रकम जमा कराया. बाद में लिमिट बढ़ने के नाम पर कुल रकम 11 लाख 27 हजार रुपए का ठगी कर ली.जानकारी के अनुसार, पीड़ित ने अज्ञात मोबाइल धारक को शुल्क जीएसटी, ट्रांसपोर्टेशन, एनओसी,एग्रीमेंट चार्ज के नाम पर भी पैसे दिए हैं. पीड़ित बीएसएफ अधिकारी विनय सिंह भरतपुर राजस्थान का रहने वाला है. बीएसएफ के अधिकारी ने फिलहाल शिकायत कर दी है. दुर्ग पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए तत्काल साइबर एक्सपर्ट की टीम को केस फॉरवर्ड कर दिया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)